

AD-A060 726

ARMY TRAINING AND DOCTRINE COMMAND FORT MONROE VA  
1977 ARMY LIBRARY INSTITUTE, 9-13 MAY 1977. A REPORT OF THE PRO--ETC(U)  
AUG 77 R Y YAMACHIKA, T A GALLANT

UNCLASSIFIED

F/6 5/9

NL

OF  
AD  
A060726

AD AO60726		OF	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30	31	32	33	34	35	36	37	38	39	40	41	42	43	44	45	46	47	48	49	50	51	52	53	54	55	56	57	58	59	60	61	62	63	64	65	66	67	68	69	70	71	72	73	74	75	76	77	78	79	80	81	82	83	84	85	86	87	88	89	90	91	92	93	94	95	96	97	98	99	100	101	102	103	104	105	106	107	108	109	110	111	112	113	114	115	116	117	118	119	120	121	122	123	124	125	126	127	128	129	130	131	132	133	134	135	136	137	138	139	140	141	142	143	144	145	146	147	148	149	150	151	152	153	154	155	156	157	158	159	160	161	162	163	164	165	166	167	168	169	170	171	172	173	174	175	176	177	178	179	180	181	182	183	184	185	186	187	188	189	190	191	192	193	194	195	196	197	198	199	200	201	202	203	204	205	206	207	208	209	210	211	212	213	214	215	216	217	218	219	220	221	222	223	224	225	226	227	228	229	230	231	232	233	234	235	236	237	238	239	240	241	242	243	244	245	246	247	248	249	250	251	252	253	254	255	256	257	258	259	260	261	262	263	264	265	266	267	268	269	270	271	272	273	274	275	276	277	278	279	280	281	282	283	284	285	286	287	288	289	290	291	292	293	294	295	296	297	298	299	300	301	302	303	304	305	306	307	308	309	310	311	312	313	314	315	316	317	318	319	320	321	322	323	324	325	326	327	328	329	330	331	332	333	334	335	336	337	338	339	340	341	342	343	344	345	346	347	348	349	350	351	352	353	354	355	356	357	358	359	360	361	362	363	364	365	366	367	368	369	370	371	372	373	374	375	376	377	378	379	380	381	382	383	384	385	386	387	388	389	390	391	392	393	394	395	396	397	398	399	400	401	402	403	404	405	406	407	408	409	410	411	412	413	414	415	416	417	418	419	420	421	422	423	424	425	426	427	428	429	430	431	432	433	434	435	436	437	438	439	440	441	442	443	444	445	446	447	448	449	450	451	452	453	454	455	456	457	458	459	460	461	462	463	464	465	466	467	468	469	470	471	472	473	474	475	476	477	478	479	480	481	482	483	484	485	486	487	488	489	490	491	492	493	494	495	496	497	498	499	500	501	502	503	504	505	506	507	508	509	510	511	512	513	514	515	516	517	518	519	520	521	522	523	524	525	526	527	528	529	530	531	532	533	534	535	536	537	538	539	540	541	542	543	544	545	546	547	548	549	550	551	552	553	554	555	556	557	558	559	560	561	562	563	564	565	566	567	568	569	570	571	572	573	574	575	576	577	578	579	580	581	582	583	584	585	586	587	588	589	590	591	592	593	594	595	596	597	598	599	600	601	602	603	604	605	606	607	608	609	610	611	612	613	614	615	616	617	618	619	620	621	622	623	624	625	626	627	628	629	630	631	632	633	634	635	636	637	638	639	640	641	642	643	644	645	646	647	648	649	650	651	652	653	654	655	656	657	658	659	660	661	662	663	664	665	666	667	668	669	670	671	672	673	674	675	676	677	678	679	680	681	682	683	684	685	686	687	688	689	690	691	692	693	694	695	696	697	698	699	700	701	702	703	704	705	706	707	708	709	710	711	712	713	714	715	716	717	718	719	720	721	722	723	724	725	726	727	728	729	730	731	732	733	734	735	736	737	738	739	740	741	742	743	744	745	746	747	748	749	750	751	752	753	754	755	756	757	758	759	760	761	762	763	764	765	766	767	768	769	770	771	772	773	774	775	776	777	778	779	780	781	782	783	784	785	786	787	788	789	790	791	792	793	794	795	796	797	798	799	800	801	802	803	804	805	806	807	808	809	810	811	812	813	814	815	816	817	818	819	820	821	822	823	824	825	826	827	828	829	830	831	832	833	834	835	836	837	838	839	840	841	842	843	844	845	846	847	848	849	850	851	852	853	854	855	856	857	858	859	860	861	862	863	864	865	866	867	868	869	870	871	872	873	874	875	876	877	878	879	880	881	882	883	884	885	886	887	888	889	890	891	892	893	894	895	896	897	898	899	900	901	902	903	904	905	906	907	908	909	910	911	912	913	914	915	916	917	918	919	920	921	922	923	924	925	926	927	928	929	930	931	932	933	934	935	936	937	938	939	940	941	942	943	944	945	946	947	948	949	950	951	952	953	954	955	956	957	958	959	960	961	962	963	964	965	966	967	968	969	970	971	972	973	974	975	976	977	978	979	980	981	982	983	984	985	986	987	988	989	990	991	992	993	994	995	996	997	998	999	1000	1001	1002	1003	1004	1005	1006	1007	1008	1009	1010	1011	1012	1013	1014	1015	1016	1017	1018	1019	1020	1021	1022	1023	1024	1025	1026	1027	1028	1029	1030	1031	1032	1033	1034	1035	1036	1037	1038	1039	1040	1041	1042	1043	1044	1045	1046	1047	1048	1049	1050	1051	1052	1053	1054	1055	1056	1057	1058	1059	1060	1061	1062	1063	1064	1065	1066	1067	1068	1069	1070	1071	1072	1073	1074	1075	1076	1077	1078	1079	1080	1081	1082	1083	1084	1085	1086	1087	1088	1089	1090	1091	1092	1093	1094	1095	1096	1097	1098	1099	1100	1101	1102	1103	1104	1105	1106	1107	1108	1109	1110	1111	1112	1113	1114	1115	1116	1117	1118	1119	1120	1121	1122	1123	1124	1125	1126	1127	1128	1129	1130	1131	1132	1133	1134	1135	1136	1137	1138	1139	1140	1141	1142	1143	1144	1145	1146	1147	1148	1149	1150	1151	1152	1153	1154	1155	1156	1157	1158	1159	1160	1161	1162	1163	1164	1165	1166	1167	1168	1169	1170	1171	1172	1173	1174	1175	1176	1177	1178	1179	1180	1181	1182	1183	1184	1185	1186	1187	1188	1189	1190	1191	1192	1193	1194	1195	1196	1197	1198	1199	1200	1201	1202	1203	1204	1205	1206	1207	1208	1209	1210	1211	1212	1213	1214	1215	1216	1217	1218	1219	1220	1221	1222	1223	1224	1225	1226	1227	1228	1229	1230	1231	1232	1233	1234	1235	1236	1237	1238	1239	1240	1241	1242	1243	1244	1245	1246	1247	1248	1249	1250	1251	1252	1253	1254	1255	1256	1257	1258	1259	1260	1261	1262	1263	1264	1265	1266	1267	1268	1269	1270	1271	1272	1273	1274	1275	1276	1277	1278	1279	1280	1281	1282	1283	1284	1285	1286	1287	1288	1289	1290	1291	1292	1293	1294	1295	1296	1297	1298	1299	1300	1301	1302	1303	1304	1305	1306	1307	1308	1309	1310	1311	1312	1313	1314	1315	1316	1317	1318	1319	1320	1321	1322	1323	1324	1325	1326	1327	1328	1329	1330	1331	1332	1333	1334	1335	1336	1337	1338	1339	1340	1341	1342	1343	1344	1345	1346	1347	1348	1349	1350	1351	1352	1353	1354	1355	1356	1357	1358	1359	1360	1361	1362	1363	1364	1365	1366	1367	1368	1369	1370	1371	1372	1373	1374	1375	1376	1377	1378	1379	1380	1381	1382	1383	1384	1385	1386	1387	1388	1389	1390	1391	1392	1393	1394	1395	1396	1397	139
---------------	--	----	---	---	---	---	---	---	---	---	---	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	-----

AR 70-31 UNCLASSIFIED  
Security Classification

LEVEL II

3200.8 (Att 1 to Encl 1)  
Mar 7, 66

12

50

DOCUMENT CONTROL DATA - R & D		
(Security classification of title, body of abstract and indexing annotation must be entered when the overall report is classified)		
1. ORIGINATING ACTIVITY (Corporate author) HEADQUARTERS, U.S. ARMY TRAINING AND DOCTRINE COMMAND, MORALE SUPPORT DIVISION, LIBRARY BRANCH, FORT MONROE, VA. 23651		2a. REPORT SECURITY CLASSIFICATION UNCLASSIFIED
3. REPORT TITLE 1977 ARMY LIBRARY INSTITUTE - A REPORT OF THE PROCEEDINGS.		2b. GROUP
4. DESCRIPTIVE NOTES (Type of report and inclusive dates) FINAL		
5. AUTHOR(S) (First name, middle initial, last name) RAYMOND Y. YAMACHIKA THOMAS A. GALLANT		
6. REPORT DATE AUGUST 1977	7a. TOTAL NO. OF PAGES 67	7b. NO. OF REFS
8a. CONTRACT OR GRANT NO.	8b. ORIGINATOR'S REPORT NUMBER(S) ALX-77	
9. PROJECT NO.	9d. OTHER REPORT NO(S) (Any other numbers that may be assigned this report)	
10. DISTRIBUTION STATEMENT DISTRIBUTION OF THIS DOCUMENT IS UNLIMITED.		
11. SUPPLEMENTARY NOTES		12. SPONSORING MILITARY ACTIVITY HEADQUARTERS, DEPARTMENT OF THE ARMY, MORALE SUPPORT DIRECTORATE (DAAG-MSL) WASHINGTON, DC 20314
13. ABSTRACT THIS VOLUME CONTAINS SYNOPSES OF ALL 1977 ARMY LIBRARY INSTITUTE SESSIONS AND FULL TRANSCRIPTS OF BOTH WORKING GROUP REPORTS AND THE KEYNOTE ADDRESS. IT COVERS A BROAD RANGE OF TOPICS IMPORTANT TO PROFESSIONAL LIBRARIANS, WITH EMPHASIS ON ZERO-BASED BUDGETING, LIBRARY NETWORKING, AND THE ARMY LIBRARIAN CAREER PROGRAM.		

DDC  
RECEIVED  
NOV 2 1978  
D  
78 10 26 007

DD FORM 1473  
1 NOV 66

UNCLASSIFIED

Security Classification

AGO WMA

AD A060726

UUC FILE COPY

UNCLASSIFIED

Security Classification

AR 70-31  
3200.8 (Att 1 to Encl 1)  
Mar 7, 66

14 KEY WORDS	LINK A		LINK B		LINK C	
	ROLE	WT	ROLE	WT	ROLE	WT
ARMY *ARMY LIBRARIAN CAREER PROGRAM ARMY LIBRARY INSTITUTE BUDGETS *CAREERS DATA BASES *GOVERNMENT PROCUREMENT *INFORMATION SYSTEMS *LIBRARIES *LIBRARY NETWORKING MANAGEMENT INFORMATION SYSTEMS MICROGRAPHICS *PERSONNEL DEVELOPMENT *PROCUREMENT STUDY OF US ARMY LIBRARIES (ADA036004) ZBB ZERO-BASED BUDGETING						

ACCESSION for	
DTIC	White Section <input checked="" type="checkbox"/>
DDO	Ref Section <input type="checkbox"/>
UNANNOUNCED	<input type="checkbox"/>
JUSTIFICATION	
BY	
DISTRIBUTION/AVAILABILITY CODES	
Dist.	AVAIL. CODE OR SPECIAL
A	

# NEW DIRECTIONS

1977 ARMY LIBRARY INSTITUTE

9-13 MAY 1977

FORT BELVOIR, VIRGINIA

## A REPORT of the PROCEEDINGS

DDC  
RECEIVED  
NOV 2 1978  
D

DISTRIBUTION STATEMENT A  
Approved for public release;  
Distribution Unlimited

26 007



THE

(6) 1977 ARMY LIBRARY INSTITUTE,  
9-13 MAY 1977. *A Report of the Proceedings.*

WAS DEVELOPED AND ORGANIZED BY

HEADQUARTERS,

(9) *Final rept.,*

U. S. ARMY TRAINING AND DOCTRINE COMMAND,

FORT MONROE, VIRGINIA

(11) *Aug 77* (12) *65 p.*

HOSTING INSTALLATION FOR TRADOC WAS THE

U. S. ARMY ENGINEER CENTER

FORT BELVOIR, VIRGINIA

(10) *Raymond Y. Yamachika*  
*Thomas A. Gallant*

This report of the proceedings was synthesized from tapes made during the Institute and from reports submitted by Session Reporters who are identified in the Institute's program. The report was compiled and edited by R. Y. Yamachika, Director, TRADOC Library Program and General Coordinator of the Institute, and Thomas A. Gallant, TRADOC Librarian Career Program Intern.

1

**DISTRIBUTION STATEMENT A**  
Approved for public release;  
Distribution Unlimited

**DDC**  
**RECEIVED**  
NOV 2 1978  
**RECEIVED**  
D

78 10 26 007

408 082

*mt*

# Contents:

## INTRODUCTION:

Background.....	3
Purpose/Content.....	3
Objectives.....	4
Funding.....	4
Registration.....	4

THE PROGRAM.....	5
------------------	---

## SESSION REPORTS:

Opening Session.....	15
Session 1.....	15
Institute-wide Reception and Dinner Program.....	17
Session 2.....	18
Session 3.....	20
Session 4.....	22
Session 5.....	23
Session 6.....	24
Session 7.....	25

RECOMMENDATIONS.....	27
----------------------	----

## WORKING GROUP REPORTS:

Working Group 1.....	33
Working Group 2.....	36
Working Group 3.....	38
Working Group 4.....	40
*Working Group 5	
Working Group 6.....	42

## APPENDIX:

- A. Registrants - 1977 Army Library Institute
- B. Keynote Address - Alphonse F. Trezza

\* - Report from Working Group 5 not received by press time.

# INTRODUCTION

## BACKGROUND

Over the past thirty years there have been great investments of material and manpower resources in meeting the library/information requirements of the Army community. The staggering range of information resources and services required to accomplish the Army's mission effectively and the personal requirements of its individual members grows each year. At the same time, it becomes increasingly difficult to fiscally support this requirement in an environment of austere funding and spiraling inflation.

Increased understanding of new techniques and technological advances, as well as more skilled and sensitive library management are imperative if Army libraries are to continue the essential supportive functions they provide at all levels in the Army structure.

The 1977 ARMY LIBRARY INSTITUTE was one of several initiatives to insure that personnel who provide library/information services to the Army community are prepared to meet the challenges facing them.

## PURPOSE/CONTENT

The 1977 ARMY LIBRARY INSTITUTE was an intensive five-day program designed to synthesize certain key managerial as well as professional skills and knowledges that would help participants improve their own performance. Scheduled evening sessions permitted completion of this 52-hour Institute in a single week. In addition, participants were expected to complete certain pre-Institute readings and assignments.

The Institute was limited in content, allowing for a more in-depth coverage of specific subject areas. Emphasis was placed on systematic and practical approaches to managing, which were applicable across type-library lines (i.e. Technical, Medical, Legal, School/Academic, and Morale Support Activity libraries). The Institute's structure provided library managers the maximum opportunity to take advantage of their own experience and that of their fellow participants. Participants had ample opportunity to exchange ideas about specific problem areas in their own library environment. The Institute related largely to those activities directly applicable to the librarian's situation back home. Institute materials were presented--through discussions, seminars and workshops--by resource personnel recognized for their knowledge in specific areas.



## OBJECTIVES

While individual objectives varied from person to person, the following were the overall objectives for the Institute:

- To gain appreciation and awareness of current thinking in the functions of management, librarianship and information science.
- To encourage greater self-appraisal and self-development efforts.
- To explore some specific responsibilities of the library manager.
- To explore some new concepts about managerial/professional tasks which update or supplement former knowledge.
- To exchange ideas with librarians from various sections of the Army community.

## FUNDING

Funding support was provided by the Office, Deputy Commanding General, The Adjutant General Center, Personal Environment Systems, Morale Support Directorate (\$3,000) and HQ FORSCOM, Personnel Services Division, Recreation Services Branch (\$1,000).

## REGISTRATION

One hundred and fifty three (153) registrations were received for the Institute, representing nearly one-third of all librarian careerists registered world-wide in the Army Librarian Career Program. Registrants included participants from Alaska, Hawaii and Panama, as well as observers from the U.S. Army Europe and the U.S. Army Japan. A complete list of registrants is provided as Appendix A.

1977 ARMY LIBRARY INSTITUTE

2-13 MAY 1977

Fort Belvoir, Virginia

1977-134-111

1977-134-111-1  
1977-134-111-2  
1977-134-111-3  
1977-134-111-4  
1977-134-111-5  
1977-134-111-6  
1977-134-111-7  
1977-134-111-8  
1977-134-111-9  
1977-134-111-10  
1977-134-111-11  
1977-134-111-12  
1977-134-111-13  
1977-134-111-14  
1977-134-111-15  
1977-134-111-16  
1977-134-111-17  
1977-134-111-18  
1977-134-111-19  
1977-134-111-20  
1977-134-111-21  
1977-134-111-22  
1977-134-111-23  
1977-134-111-24  
1977-134-111-25  
1977-134-111-26  
1977-134-111-27  
1977-134-111-28  
1977-134-111-29  
1977-134-111-30  
1977-134-111-31  
1977-134-111-32  
1977-134-111-33  
1977-134-111-34  
1977-134-111-35  
1977-134-111-36  
1977-134-111-37  
1977-134-111-38  
1977-134-111-39  
1977-134-111-40  
1977-134-111-41  
1977-134-111-42  
1977-134-111-43  
1977-134-111-44  
1977-134-111-45  
1977-134-111-46  
1977-134-111-47  
1977-134-111-48  
1977-134-111-49  
1977-134-111-50  
1977-134-111-51  
1977-134-111-52  
1977-134-111-53  
1977-134-111-54  
1977-134-111-55  
1977-134-111-56  
1977-134-111-57  
1977-134-111-58  
1977-134-111-59  
1977-134-111-60  
1977-134-111-61  
1977-134-111-62  
1977-134-111-63  
1977-134-111-64  
1977-134-111-65  
1977-134-111-66  
1977-134-111-67  
1977-134-111-68  
1977-134-111-69  
1977-134-111-70  
1977-134-111-71  
1977-134-111-72  
1977-134-111-73  
1977-134-111-74  
1977-134-111-75  
1977-134-111-76  
1977-134-111-77  
1977-134-111-78  
1977-134-111-79  
1977-134-111-80  
1977-134-111-81  
1977-134-111-82  
1977-134-111-83  
1977-134-111-84  
1977-134-111-85  
1977-134-111-86  
1977-134-111-87  
1977-134-111-88  
1977-134-111-89  
1977-134-111-90  
1977-134-111-91  
1977-134-111-92  
1977-134-111-93  
1977-134-111-94  
1977-134-111-95  
1977-134-111-96  
1977-134-111-97  
1977-134-111-98  
1977-134-111-99  
1977-134-111-100

# THE PROGRAM

# 1977 ARMY LIBRARY INSTITUTE

9-13 May 1977

## Fort Belvoir, Virginia

MONDAY, 9 May 1977:

0800 - 0900: REGISTRATION. Concourse  
Sosa Recreation Center, Bldg 200  
(Complimentary coffee and pastries  
will be served.)

0900 - 0930: OPENING SESSION: Ballroom  
Sosa Recreation Center, Bldg 200

Introduction of Presiding Officer.....Madge J. Busey  
Installation Coordinator  
1977 Army Library Institute  
Fort Belvoir, VA

Convening of Institute.....Catherine L. Zealberg  
1st Day Presiding Officer  
Army War College  
Carlisle Barracks, PA

Welcome Remarks.....MG J. A. Johnson  
Commanding General  
USA Engr Cen & Ft Belvoir  
Fort Belvoir, VA

General Program Introduction.....R. Y. Yamachika  
General Coordinator  
1977 Army Library Institute  
HQ TRADOC  
Fort Monroe, VA

Introduction of Session 1.....Catherine L. Zealberg

0930 - 1045: SESSION 1: Ballroom  
Sosa Recreation Center, Bldg 200

TOWARD COOPERATIVE ACTION: Facing Up to Changes.....Vernon E. Palmour  
Private Consultant &  
Senior Vice President  
King Research, Inc.

"...To paraphrase an old adage, nothing is sure  
except death, taxes, and change. Change will  
occur whether we wish it or not. The only opera-  
tive question is whether we participate actively  
in this process by re-examining and redefining  
our goals, and by creating institutions more re-  
sponsive to the needs of society, or whether we  
take refuge in inaction and hope for the best."  
Trezza

Ruth L. Tighe  
Research Associate  
National Commission on  
Libraries and Information  
Science

1045 - 1100: Coffee Break

1100 - 1215: SESSION 1 (Continued)

1215 - 1415: Lunch

1415 - 1530: SESSION 1 (Continued)

1530 - 1545: Coffee Break

1543 - 1700: SESSION 1 (Continued)

"TALL OAKS FROM LITTLE ACORNS GROW".....Barbara E. Stevens  
Forum Leader  
Sergeant Majors Academy  
Fort Bliss, TX

Palmour in Study of US Army Libraries, v.1, Final Report, observes that "The Study found very little real cooperation taking place (among Army libraries)." Large scale, effective cooperative activities find their roots in small beginnings. This portion of the Institute is an open forum on those cooperative activities, small as they seem in relation to the national trend, which Army libraries can engage in now while long range, system-wide cooperative programs are under development.

1830 - 1930: Institute-wide Reception. Mount Vernon Room  
MacKenzie Hall

1930 - 2200: Institute-wide Dinner/Program:

KEYNOTE SPEAKER.....Alphonse F. Trezza  
Executive Director,  
National Commission on  
Libraries and Information  
Science

"Everybody defines cooperation as: What can you do for me? That is not cooperation. Cooperation is: What can I do for you? And until we get this attitude in the minds of librarians, administrators, legislators, people who work for the Bureau of the Budget or any place else, it is never going to work..."

TUESDAY, 10 May 1977:

0800 - 0815: Ballroom, Sosa Recreation Center, Bldg 200

Introduction of Presiding Officer.....Catherine L. Zealberg

Administrative Announcements.....Glenna J. Piersall  
2nd Day Presiding Officer  
101st Airborne Division (Air Assault)  
Fort Campbell, KY

0815 - 0945: SESSION 2:

PROCUREMENT OF LIBRARY MATERIALS: Taking on the  
Challenge of an Old, Old Problem.....Una D. Huggins  
Session Leader

Resource Persons:

Sally Clements  
Deputy for Materiel Acquisition  
Office of the Secretary of the Army, I&L

Frederick Bierman  
Assistant for Procurement Procedures  
Office of the Secretary of the Army, I&L

TAGCEN, HQDA  
Washington, DC



Kenneth Bogie  
Director of Procurement  
General Services Administration  
Federal Supply Service

Phillip H. Miller  
Deputy Director, Procurement  
Defense Supply Services  
The Pentagon, MDW

Vivian Pearson  
Chief, Purchasing Branch  
Procurement Division  
Fort Belvoir, VA

Esme Smith  
Purchasing Agent for Libraries  
Procurement Division  
Fort Belvoir, VA

0945 - 1000: Coffee Break

1000 - 1200: SESSION 2 (Continued)

1200 - 1330: Lunch

1330 - 1630: MINI-SESSIONS: (Occurring simultaneously)

Mini-Session 1: Orientation & Briefing on Defense RDT&E On-Line System (At Defense Documentation Center, Cameron Station, Alexandria, VA)	Staff, Defense Documentation Center
--	--

Mini-Session 2: Shared Cataloging: A Project Proposal (Ballroom, Sosa Recreation Center)	JoAn I. Stolley HQ TRADOC Fort Monroe, VA
--	---

1630 - 1830: Dinner

1830 - 1945: SESSION 3: Ballroom, Sosa Recreation Center

ARMY LIBRARIAN CAREER PROGRAM: New Directions  
in Career Management.....Nellie B. Strickland

(This session will include an up-date report by  
a representative from the Continuing Library  
Education Network and Exchange - CLENE. CLENE  
representative not named at press time.)

TAGCEN, HQDA  
Washington, DC

1945 - 2000: Coffee Break

2000 - 2200: SESSION 3 (Continued)

WEDNESDAY, 11 May 1977:

0800 - 0815: Ballroom, Sosa Recreation Center, Bldg 200

Introduction of Presiding Officer.....Glenna J. Piersall

Administrative Announcements.....	Mary L. Shaffer 3rd Day Presiding Officer The Army Library The Pentagon Washington, DC
-----------------------------------	--

0815 - 0945: 1st Meeting, Working Groups:

WORKING GROUP 1:	Management Reporting.....	Don Olson, Chairperson
	Reading Room	Fort Sam Houston, TX
	Sosa Recreation Center	
WORKING GROUP 2:	Training Program for Library	
	Technicians.....	Madge J. Busey, Chairperson
	TV Room	Fort Belvoir, VA
	Sosa Recreation Center	
WORKING GROUP 3:	Cooperative Library Programs:	
	Shared Cataloging.....	JoAn I. Stolley, Chairperson
	Activity Room	Fort Monroe, VA
	Sosa Recreation Center	
WORKING GROUP 4:	Cooperative Library Programs:	
	Resource Sharing.....	Joan M. Fredrickson, Chairperson
	Concourse	Fort Lee, VA
	Sosa Recreation Center	
WORKING GROUP 5:	Cooperative Library Programs:	
	Procurement.....	Dorothy A. Cross, Chairperson
	Front Area, Ballroom	Fort Bragg, NC
	Sosa Recreation Center	
WORKING GROUP 6:	Revision of CPR 950-21, Army Civilian Career Program for Librarians...	Ingjerd O. Omdahl, Chairperson
	Rear Area, Ballroom	HQ DARCOM
	Sosa Recreation Center	Alexandria, VA

0945 - 1000: Coffee Break

1000 - 1200: SESSION 4: Ballroom, Sosa Recreation Center

FEDERAL LIBRARY COMMITTEE PROGRAM.....	James P. Riley
	Executive Director
	Federal Library Committee (FLC)
	Milton H. McGee
	Ass't Network Coordinator, FLC
	D. Lee Power
	Program Analyst, FLC

1200 - 1300: Lunch (Institute Sandwich Bar Luncheon)

1300 - 1500: SESSION 4 (Continued)

1500 - 1515: Coffee Break

1515 - 1715: SESSION 5: Auditorium  
Humphrey Hall, Engineer School

INTRODUCTION TO DATA BASES.....	Sheryl Rosenthal
	Mgr, Southeast Field Office
	Systems Development Corp.

(The term "data base" is familiar to all librarians, even though many of them have no experience in using on-line data bases. This session will provide an overview of data bases covered by SDC Search Services as an example. On-line search demonstrations will be conducted and participants will have an opportunity for hands-on experience. Approximately 30 data bases will be on-line to the Institute for this session.)

(Wednesday evening is an open evening. Institute participants are encouraged to take advantage of the many cultural activities in the Washington, D.C. area.)

THURSDAY, 12 May 1977:

0800 - 0815: Auditorium, Humphrey Hall, Engineer School

Introduction of Presiding Officer.....Mary L. Shaffer

Administrative Announcements.....Donna K. Griffiths  
4th Day Presiding Officer  
Office of the Surgeon General  
Washington, DC

0815 - 0930: SESSION 6:

ZERO-BASE PLANNING AND BUDGETING.....Charles C. Buik  
University Consultants  
Georgetown University  
Washington, DC

Conducted in the context of adult learning,  
the workshop will consist of lectures, small  
and full group exercises and case study analysis.

Robert Leuthy  
Partner, University Consultants

0930 - 0945: Coffee Break

0945 - 1200: SESSION 6 (Continued)

1200 - 1330: Lunch

1330 - 1445: SESSION 6 (Continued)

1445 - 1500: Coffee Break

1500 - 1630: SESSION 6 (Continued)

1630 - 1830: Dinner

1830 - : 2nd Meeting, Working Groups:

WORKING GROUP 1: Management Reporting

Children's Room, 1st Floor  
Van Noy Library

WORKING GROUP 2: Training Program for Library  
Technicians

Military Room, 2nd Floor  
Van Noy Library

WORKING GROUP 3: Cooperative Library Programs:  
Shared Cataloging

Business Section, 2nd Floor  
Van Noy Library

WORKING GROUP 4: Cooperative Library Programs:  
Resource Sharing

Periodical Reading Area, 2nd Floor  
Van Noy Library

WORKING GROUP 5: Cooperative Library Programs:  
Procurement

Reading Area, 1st Floor  
Van Noy Library

WORKING GROUP 6: Revision of CPR 950-21, Army Civilian  
Career Program for Librarians  
General Reference Area, 2nd Floor  
Van Noy Library

Institute Standing Committees will also meet this  
evening. Chairpersons will contact members to  
advise them of place and time of meetings.

FRIDAY, 13 May 1977:

0800 - 0815: Ballroom, Sosa Recreation Center

Introduction of Presiding Officer.....Donna K. Griffitts

Administrative Announcements.....Egon A. Weiss  
5th Day Presiding Officer  
U.S. Military Academy  
West Point, N.Y.

0815 - 0945: SESSION 7: Ballroom, Sosa Recreation Center

MICROGRAPHICS IN LIBRARIES.....Bill Doudnikoff  
President  
DATAFLOW Systems, Inc.  
Bethesda, MD  
State-of-the-art review constructed largely  
in response to questions posed by Army librarians.

0945 - 1000: Coffee Break

1000 - 1100: SESSION 7 (Continued)

1100 - 1200: SESSION 7 (Continued)

MICROGRAPHIC ACTIVITIES IN THE ARMY.....Nellie B. Strickland  
Session Leader

Resource Person:

Captain Jeanne Hamilton, USA  
Chief of Plans and Programs  
Micrographics Management Branch  
TAGCEN  
Washington, DC

1200 - 1330: Lunch

1330 - 1530: Closing Session:

Working Group Reports:

Working Group 1.....Don Olson, Chairperson  
Working Group 2.....Madge J. Busey, Chairperson  
Working Group 3.....JoAn I. Stolley, Chairperson  
Working Group 4.....Joan M. Fredrickson, Chairperson  
Working Group 5.....Dorothy A. Cross, Chairperson  
Working Group 6.....Ingjerd O. Omdahl, Chairperson

Committee Reports:

Proceeding Committee.....Natalie E. Kothe, Chairperson  
USA Engineer Topographic Lab  
Fort Belvoir, VA

Steering Committee.....R. Y. Yamachika, Chairperson

Recommendations Committee.....Louise Nyce, Chairperson  
HQ FORSCOM  
Fort McPherson, GA

Closing Remarks.....Nellie B. Strickland

Adjourning of Institute.....Egon A. Weiss



# COMMITTEES

## STEERING COMMITTEE

Raymond Y. YAMACHIKA, Chairperson & General  
Institute Coordinator  
Madge J. PUGH, Installation Coordinator  
Louise NYCE  
Ingjerd O. OMDAHL  
Nellie B. STRICKLAND

## REGISTRATION COMMITTEE

\*Lois J. CAREY, Chairperson  
Emma M. BRAUND  
James D. CHESTNUT  
James C. DORSEY  
Thomas A. GALLANT  
Gloria A. KIEHNAU  
Rosemary C. MARLOWE  
Belinda J. PUGH

## ARRANGEMENTS COMMITTEE

Madge J. BUSEY, Chairperson  
James D. CHESTNUT  
James C. DORSEY  
Thomas A. GALLANT  
Rosemary C. MARLOWE  
Belinda J. PUGH

## PROCEEDINGS COMMITTEE

Natalie E. KOTHE, Chairperson  
James C. DORSEY  
Thomas A. GALLANT  
Larry D. HOBBS  
Dolores C. OSTRACO  
Session Reporters

## RECOMMENDATIONS COMMITTEE

Louise NYCE, Chairperson  
Concetta R. ANACLERIO  
Marion M. BERNDT  
Donna K. GRIFFITTS  
Natalie E. KOTHE  
Don OLSON  
Ingjerd O. OMDAHL  
Mary L. SHAFFER  
Barbara E. STEVENS  
Raymond Y. YAMACHIKA  
Catherine L. ZEALBERG

\* - As noted in the Institute announcement, Ms Dorothy A. Redmond, US Army Engineer School, was the Chairperson, Registration Committee. We regret to announce that Ms Redmond passed away on 26 April 1977. Ms Lois J. Carey assumed responsibilities of the committee.

## Session Reporters:

Rose E. AKERS  
Linda L. ANDERSON  
Stephen J. BALANDA  
Louise C. BARRY  
Richard D. BOYCE  
Eva M. CATHEY  
A. Virginia CHANEY  
Barbara S. CHRISTINE  
Palmer P. CLARK  
John P. COOK  
Maude C. DOWTIN  
Mary L. DURKIN  
Kathryn L. EARNEST  
Barbara T. EVERIDGE  
Betty K. FRY  
Delfina C. GALLOWAY  
Lucy R. GREENE  
Ann R. GRILLA  
Marina GRINER  
Marcia W. HAMPTON  
Margaret F. HARDIN  
Pauline C. HARVAN  
Malinda M. JOHNSON  
Susanne F. KUENY  
Ruth M. LAPOINTE  
Kay D. LIVINGSTON  
Marie N. LUSK  
Catherine H. MCLAUGHLIN  
Eula I. MALLERY  
Mildred Mc. MORRIS  
Isabelle MUDD  
Marian O. NANCE  
Margaret H. NOVINGER  
H. Annette RAY  
Gwendolyn L. REDD  
Patricia A. REEVES  
Amelia K. SEFTON  
Samuel R. SHERWOOD  
Juanita W. TAYLOR  
Arlene S. TIBAYAN  
Dorothy C. TOMPKINS  
Dan W. VIERGEVER  
Lillian M. WALSH  
Josephine E. WEAVER  
Janice L. WESTON  
Marcia J. WHIPPLE  
Autha S. WILLIAMS  
Guy W. WILSON  
Mary H. WOOTEN

## NOTE TO ALL INSTITUTE PARTICIPANTS:

The entire proceedings of this Institute, including formal presentations, questions asked from the floor, and open forum discussions, will be recorded to assist in preparing a written record of the proceedings. Participation in the proceedings constitutes consent to the recording.

STAFF JUDGE ADVOCATE, HQ TRADOC

# SESSION REPORTS

OPENING SESSION. Monday, 9 May 1977.

Madge J. Busey, Installation Coordinator, introduced the First Day Presiding Officer, Catherine L. Zealberg, Army War College, who convened the Institute.

Major General J. A. Johnson, Commander, U.S. Army Engineer Center and Fort Belvoir, welcomed the participants to Fort Belvoir. His remarks presaged the feeling of community interest and endeavor that persisted throughout the Institute.

Raymond Y. Yamachika, Institute Coordinator, introduced the week's program and urged participants to use the Institute as a time to look ahead--to look for New Directions. He noted that the participatory framework of the Institute was designed to offer each participant an excellent chance to make constructive contributions to Army librarianship. He also pointed out that the intention of the Steering Committee was to generate the spirit of cooperation among Army librarians, so the Institute would help us put the Army library community in a better position to reach some difficult goals set for Army librarianship over the next few years.

SESSION 1. TOWARD COOPERATIVE ACTION: Facing Up to Changes. Monday, 9 May 1977.

Ruth L. Tighe and Vernon E. Palmour addressed the morning's topic.

Ms. Tighe, who worked with the New England Library Information Network (NELINET) on the shared cataloging project and is currently a Research Associate with the National Commission on Libraries and Information Science, began her presentation by noting that "cooperation is an attitude and process whose time has come." She identified four factors as provocative stimuli for cooperation: the information explosion; a shift in the perception of what constitutes information, with current emphasis on immediate access and a broadened interpretation of the media form; the development of new technology as demonstrated in telecommunications advances; budget restraints. She noted that libraries have arrived at a point where they have few options. One is to stay where they are or retreat--buying fewer materials, offering fewer services. This seems clearly unacceptable. The second is cooperation--libraries doing together what they can no longer afford to do alone. Developing this theme, Ms. Tighe discussed various patterns of cooperation, as well as their potential possibilities and problems. For example, networking is an exciting prospect with some attendant pro-



blems. She left a clear message--cooperative activities are developing apace with spectacular advances in computer and communications technology. There are pitfalls to cooperation and networking, yet past experiences have clearly demonstrated that the concepts work and that wide-scale acceptance of them is tantamount to future survival. In her closing remarks, Ms. Tighe noted that although the profession is at a point where problems seem overwhelming, they can be solved if we are willing to try new ideas. In her words, "I can't think of a better field to be in, or a better time to be there..." This outlook promises that the profession will grow and not falter. She suggested Army librarians likewise embrace it.

Vernon E. Palmour, Private Consultant and Senior Vice President, King Research, Inc., gave a brief review of the Study of Army Libraries completed in Jul 1976, including its genesis, methodology, findings and recommendations. The study noted many problems, including poor personnel attitudes, little incentive for networking, lack of defined channels for resource sharing, complex command structures inhibiting group activity, poor communications, uncooperative procurement offices, staff shortages, inadequate space, lack of uniform standards and the low visibility of libraries in the Army structure. Among the recommendations, which elicited great interest from the participants, was the consolidation of all libraries into a single system at each installation and/or centralizing common library functions. Another was the establishment of a central, coordinating office at the DA level to create policies and regulations and to guide an overall Army library program. Without this, efforts to create a viable library/information service for the Army community will be doomed to mediocrity or failure.

During the early afternoon session, the floor was opened to questions and comments from Institute members. Many expressed grave concern about the scant interest shown, at the DA level, in working toward implementing study recommendations.

Palmour continued the session, using statistics involving rising costs for library materials and services; this clearly made cooperation among libraries a more appealing idea.

The final portion of Session 1 was led by Barbara E. Stevens, USA Sergeants Major Academy. This portion of the program offered participating librarians an opportunity to share their experiences in cooperative activities. The intent was to provide some examples of ongoing cooperative efforts in which other Army libraries may be able to participate while long range, system-wide cooperative programs are under development. Among those who contributed to this session were: Egon Weiss, US Military Academy, who described the regional consortia



in which the USMA is an active partner; Don Olsen, Fort Sam Houston, TX, who explained the MARCIVE cataloging service, which has proven valuable for his library system; and Barbara T. Everidge, HQ TRADOC, who explained the Serials Inventory File being developed for command-wide sharing of periodical resources.

INSTITUTE WIDE RECEPTION AND DINNER PROGRAM. Monday, 9 May 1977.

The Institute-wide reception and dinner program were held Monday evening at the Fort Belvoir Officers' Club. It afforded participants an opportunity to meet each other and discuss the day's activities. Equally important, it served as the prelude to a riveting keynote address delivered by Alphonse F. Trezza. (Because of the great demand for copies of his speech, Mr. Trezza's keynote address is included as Appendix B.)

As Executive Director of the National Commission on Libraries and Information Science, Mr. Trezza felt duty-bound to frankly delineate what he considered to be the problems and attitudes inimical to improved, progressive library services.

The first portion of his address reviewed the Commission's history, including its long struggle to remain an independent agency able to speak its own mind. He emphasized the emerging national network, relating its development to his considerable experience in building the Illinois Library Network (ILLINET). To allay one of the more common fears of networking, he made it perfectly clear that the national network and the agency responsible for managing it "will not be authorized to tell an individual library, or a state, how to spend its money in terms of staffing, procurement, or budget allocations. Those three elements are the basic elements of 'local' autonomy. When people say they don't want to participate in library systems or library cooperation because they don't want to endanger their autonomy, immediately ask them to define autonomy, and what it is they are afraid of losing. Local autonomy is made up of those three basic elements I just mentioned and nothing more."

In outlining the Commission's objectives, the theme of cooperating to achieve national goals of "library and information service adequate to the needs of the people in the United States"<sup>1</sup> surfaced repeatedly.

---

<sup>1</sup> Public Law 93-568, 93rd Congress, S.J. Res. 40, December 31, 1974.

If the Army is to have library and information services adequate to its needs, it must join this national resolve. Isolationism is anathema to responsible librarianship; the Army must first collectively develop a system assuring maximum utilization of its own resources by implementing cooperative and resource sharing programs.

These same themes were germane to Mr. Trezza's remarks about the situation in Army libraries: "You have the same mix (of libraries) that we do outside. If it's possible for us to get all those kinds of libraries in one network outside, why isn't it possible to do it with you? What is so impossible about the basic recommendation in the Army study, which says the Army is fraught with duplication and many weaknesses it can only overcome with leadership, concerted effort and an effective, central coordinating agency or office? It does not - and I read that report carefully - say this office has any line authority over anybody. It doesn't say that it will hurt the autonomy of library A, or B, or C. It doesn't say any such thing. It simply says you have to have an office to provide the leadership for coordination and cooperation. What are you afraid of? Why two 'nonconcurrences?' I heard the explanations for one of them today, and believe me, I didn't think a single one was valid. It was based on fear, based on myth, based on refusal to take a chance and participate. And that's nonsense. My challenge to you librarians as a whole is don't let that report die."

Those remarks were lucid, irrefutable presentation of the main stumbling blocks to effective Army library development. Mr. Trezza's outline of various technological aids to cooperation served to accentuate the message.

Mr. Trezza concluded his remarks by noting that he was "very much looking forward to having the Army participate in a national network as a full partner," an invitation the Army can scarcely ignore.

**SESSION 2. PROCUREMENT OF LIBRARY MATERIALS: Taking on the Challenge of an Old, Old Problem. Tuesday, 10 May 1977.**

Glenna Piersall, Fort Campbell, KY, who served as the Second Day Presiding Officer, introduced Session Leader, Una D. Huggins, TAGCEN, HQDA. Resource persons included Frederick Bierman, Assistant for Procurement Procedures, Office of the Secretary of the Army, I&L; Kenneth Bogie, Director of Procurement, General Services Administration, Federal Supply Service, Boston; Phillip H. Miller, Deputy Director, Procurement, Defense Supply Services, The Pentagon, MDW; Vivian Pearson and Esme Smith, Procurement Division, Fort Belvoir.

Mr. Bierman synposized the importance of the Armed Services Procurement Regulation (ASPR) established by the Secretary of Defense, and its relation to the Army Procurement Program (APP), which establishes policies for the Department of the Army. Updating the APP is done through the DA Cir 715-2 series of Procurement Information Letters (PIL), which can be implemented within 24 hours.

Mr. Bogie described the three Federal Supply Catalogs (FSC), 76-1 - 76-3, which deal with procurement of library materials. He emphasized that some of the problems associated with using the schedules stem from the finance and procurement officers' concern with budgetary and statutory requirements, and competitive bids, while the librarians' chief concern, understandably, is almost always contract performance. This problem is seldom resolved because contract officers do not always know if a contractor is performing adequately; users of the schedule, such as librarians, often fail to document non-performance on which contract officers can take corrective action.

Mr. Miller spoke on basic purchase procedures, and emphasized imprest funds and blanket purchase agreements (BPA). He agreed that because libraries buy a high volume at a low unit-cost, purchasing and contracting officers pay little attention to library needs and problems. He stated that BPA was an expeditious method of acquiring library materials, but hastened to point out there were constraints applied by APP. Imprest funds were desirable and could be used to procure items not authorized under BPA.

Ms. Pearson added to Mr. Miller's discussions of BPA, then explained sole source purchases in detail, stressing the need for strong written justification of such purchases. Ms. Smith elaborated on advance payments and other problems confronting installation-level procurement officers responsible for library procurement.

Following the formal presentation, the floor was opened to questions and comments, which were numerous. Questions dealt with such problems as the publication timetable for GSA schedules, maximum order limits, subscription services, deposit accounts, documentation of poor vendor performance, recourse for problems with procurement agents, etc.

Mr. Bierman willingly provided specific contacts and telephone numbers of key personnel within the DOD and DA procurement community who could provide additional information on a number of questions raised during the open session. This was extremely helpful to participants.

Mr. Weiss, US Military Academy, West Point, remarked that library procurement problems are discussed year after year, yet only token solu-



tions result from these discussions. Agreeing with this observation, Mr. Miller suggested that perhaps one possible solution to this perennial problem would be to add library procurement to the basic course for procurement officers, taught at Fort Lee. This would serve to expose future procurement officers to library procurement problems and offer an excellent learning opportunity in the procurement of high volume, low unit-cost items generally. Representing the Secretary of the Army, Mr. Bierman noted that his office would support such a curriculum addition because of the peculiar nature of library procurement and its attendant problems.

SESSION 3. ARMY LIBRARIAN CAREER PROGRAM: New Directions in Career Management. Tuesday, 10 May 1977.

Nellie B. Strickland, Functional Chief's Representative, Army Librarian Career Program, TAGCEN, HQDA, conducted Session 3 on Tuesday evening.

Dr. Elizabeth Stone, Professor of Library and Information Science, Catholic University, and Executive Director, Continuing Library Education Network and Exchange (CLENE), gave an update on CLENE. She emphasized that the thrust of CLENE's activities was to develop continuing education programs for all levels of personnel--librarian, technical information specialist, paraprofessional, clerk and trustee. She noted that CLENE evolved as a result of a National Commission on Libraries and Information Science study recognizing the librarian's urgent need for continuing education programs and the need to link these programs as they developed. CLENE is a unique concept--a special service and resource facility that makes continuing education opportunities available to the entire library and information science profession in a way that has never been done before. It develops and promotes a coordinated, intensive continuing education program throughout the profession.

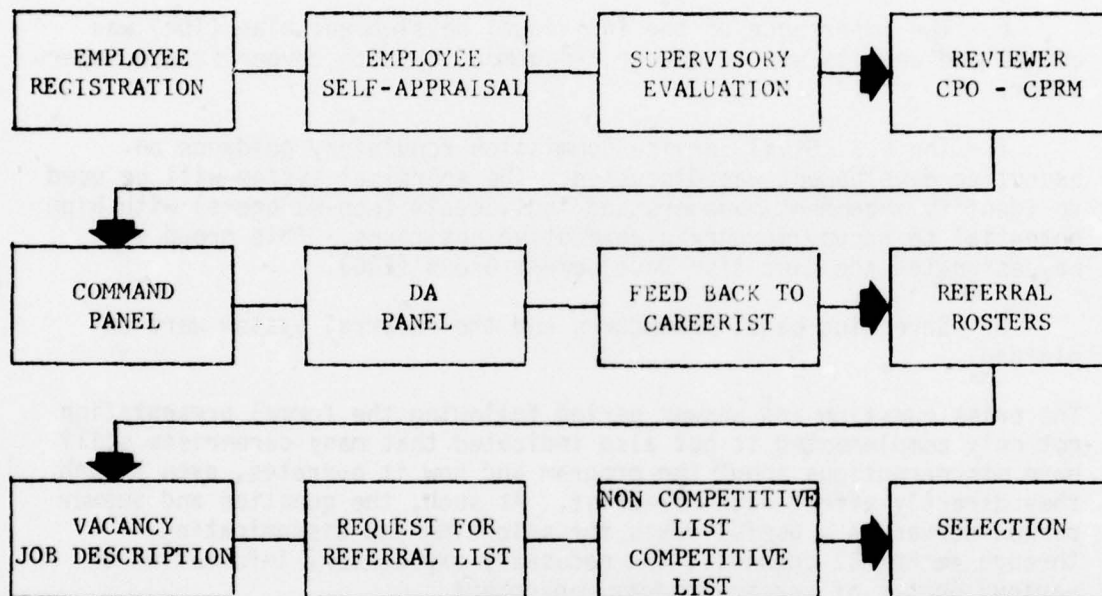
CLENE's goals include such activities as:

1. A model for profession-wide recognition system for continuing education.
2. Home study programs with study groups.
3. Traveling workshops.
4. Models for the evaluation of programs.
5. Consulting services.
6. Program reviews.
7. A model for assessment.

Mr. Neil Lerch, Chief, Team 1, Civilian Career Management Field Agency,



HQDA, discussed the goals and aims of the career programs in general. The discussion included a clear explanation of the general appraisal-screening-referral system operating in all Army-wide career programs:



The major portion of this session dealt with the new Librarian Qualification Appraisal and Career Plan. This document is expected to provide more effective and accurate appraisal as well as improved career planning. The following are some highlights of the presentation:

1. Qualification elements for career appraisal will include technical qualification elements, general qualification elements (work planning and requirements, written communication, etc.), and supervision/management elements.
2. An A, B, C, D, E, & N rating system will be used to measure how well the careerist is qualified to perform when measured against the standard of skills, knowledges, and abilities described.
3. Referral and rating levels, mobility and career assignments, and lateral assignments were also discussed.
4. Careerists were prepared for a possible change in referral

status when replying not available (RNA) or declining definite offers (DDO) after expressing interest in certain locations. The exact nature of this change has not been determined.

5. Policy on PCS moves, priority assignments and overseas positions was also discussed.

6. The importance of the individual development plan (IDP) was emphasized and its use in career management by both careerist and supervisor.

7. The U.S. Civil Service Commission regulatory guidance on executive development was discussed. The appraisal system will be used to identify incumbent managers and individuals (non-managers) with high potential to occupy managerial/executive positions. This group will be designated the Executive Development Group (EDG).

8. Screening panel procedures and the referral system were explained.

The brisk question and answer period following the formal presentation not only complemented it but also indicated that many careerists still have misconceptions about the program and how it operates, even though they directly affect each careerist. As such, the question and answer period serves as a useful basis for selecting and disseminating, through technical channels, the necessary explanatory information on various phases of career program management.

#### SESSION 4. FEDERAL LIBRARY COMMITTEE PROGRAM. Wednesday, 11 May 1977.

Mary L. Shaffer, Director, The Army Library, The Pentagon, presided over session 4 of the Institute. James P. Riley, Executive Director, Federal Library Committee (FLC), opened the session with an update on FLC activities, concentrating on contracted projects underway. These included:

1. Preparation of a guide on the use of minicomputers.
2. An investigation into the feasibility of creating a federal data base from Ohio College Library Center (OCLC) retrospective tapes of federal library records, machine readable cataloging (MARC) records, and other general purpose federal data bases.
3. A contract with OCLC to assist in extending Telepak communication lines.

4. An FLC network planning project.
5. A statistical survey on automation efforts of federal libraries in the D.C. area.
6. A contract for the preparation of revised classification and qualification standards for librarians to coincide with the 1977 Civil Service Commission (CSC) review. When the commission changed priorities delaying the review until 1978, the nature of the study was altered to identify changing dimensions in the field of federal library service. FLC will fund another study in 1978 to work with the National Commission on a review of standards. Mr. Riley urged librarians to have their local agencies inform the National Commission that the review is a priority matter in order to prevent postponement beyond 1978.

Members of the Federal Library Committee addressed other committee activities. Joseph B. Ford, Assistant Network Programmer, presented a well-researched paper tracing the development of the Federal Library Information Network (FEDLINK). It provided valuable background for the presentation which followed. Milton H. McGee, Assistant Network Coordinator, gave some background on the use of OCLC by federal libraries, especially discussing the procedures involved in applying for membership in FEDLINK and going on-line with the OCLC data base. Some time was spent on the services provided by OCLC and some of its emerging subsystems, e.g., interlibrary loan, serials, acquisitions. He also described the Federal Library Committee/Library of Congress/Government Printing Office cooperative project involving the cataloging of GPO documents for input to the OCLC data base and the related Cornell University project to catalog GPO serials. D. Lee Power, Program Analyst, devoted some time to library automation in general and to information retrieval systems allowing direct access by the patron as well as the librarian. He described Stanford University's BALLOTS system, emphasizing those features distinguishing it from OCLC, its possible use by FEDLINK members, and the possibility of interconnecting such "competing" systems.

The impact of Federal Library Committee activities on Army libraries was clearly outlined by the presentations. The importance and value of this session was reflected in the lively participant response of questions and comments posed when the floor was opened to discussion.

#### SESSION 5. INTRODUCTION TO DATA BASES. Wednesday, 11 May 1977.

The fifth session of the Army Library Institute was held on Wednesday afternoon, 11 May, in the auditorium of Humphrey Hall, Engineer School.



Sheryl Rosenthal, District Manager, Systems Development Corporation (SDC), presented this session concerning on-line information retrieval technology--... it operates, management's decisions in its usage, and its problems.

Using SDC as an example, she highlighted the impact of on-line information retrieval services on library operations. Various types of information available on-line to libraries and their users, costs, economies and service benefits were described. Much of the presentation addressed the planning required to start such services, the required training of staff and the need to develop promotional programs on the use of on-line services. She emphatically noted that "librarians were not replaced, but productivity increased by using on-line search services..."

The 32 data bases currently available through SDC services were on-line to the Institute for demonstration purposes. Technical difficulties prevented the cathode ray tube simulation demonstration; but, a back-up printout system was on-line and available for demonstration purposes.

SESSION 6. ZERO-BASE PLANNING AND BUDGETING. Thursday, 12 May 1977.

Donna K. Griffiths, Office of the Surgeon General, HQDA, acted as the Fourth Day Presiding Officer. She introduced Charles C. Buik, Partner, University Consultants, and his associate, Robert Leuthy. Both conducted the full-day workshop on Zero-Base Planning and Budgeting.

This segment of the Institute was divided into four working sessions consisting of an introductory lecture, question-and-answer periods, and large and small group exercises. Institute participants were requested to prepare for this workshop by reading a special edition of A Workbook for Zero-Base Planning and Budgeting, written by Mr. Buik.

In his introductory presentation, Mr. Buik noted that Zero-Base Budgeting (ZBB) is a constantly-developing management system, from which a budget is derived. The lecture was a lucid presentation of the process and steps involved in zero-base budgeting.

He pointed out that the recently issued Office of Management and Budget Bulletin 77-9, puts emphasis on ZBB as a management tool. The OMB bulletin on ZBB emphasizes:

1. Involving managers at all levels in the budgeting process.



2. Justifying new programs and why old programs are needed.
3. Focusing justification and evaluation on programs where money will be most effective.
4. Establishing at all levels of management objectives against which performance can be measured. (Objectives must be measurable.)
5. Finding alternative methods of doing business and making consolidations for a better return on money.
6. Analyzing alternative methods and probable effects.
7. Providing creditable rationale.

The group exercises dealt with the actual preparation of a budget using the zero-base technique. Two large groups were formed and further divided into smaller working units based on the type of libraries represented. Each unit prepared a Decision Package of a discrete activity. These smaller units reported back to the larger group for the "ranking" process vital to the evolution of a zero-base budget.

The decision packages prepared by the working groups will be critiqued by Mr. Buik and his associates for later return to each participant. This is an effort to further extend the learning process of the session.

SESSION 7. MICROGRAPHICS IN LIBRARIES. Friday, 13 May 1977.

Egon A. Weiss, U.S. Military Academy, presided over the final day of the Institute. He introduced Bill Doudnikoff, both President, Data-flow Systems Inc. and a consultant in information services and systems, who began Session 7.

Mr. Doudnikoff presented a state-of-the-art review in response to questions posed by Army librarians. He first described the various types of microform currently available, including microfilm, microfiche, ultrafiche, microcards, aperture cards, and computer output microfilm (COM). The discussion included a detailed account of reduction ratios and types of film. This was followed by a discussion of testing, selecting, using and performing required maintenance on equipment. Part of the presentation was devoted to critiquing not only sources and review sources of information available in microform, but microform equipment as well. Mr. Doudnikoff supported the librar-

ians contention that a major problem deterring wider use of micrographics is the unavailability of a good, inexpensive portable reader. In fact the industry has been slow to deal with this problem, which is of particular concern to librarians. A few acceptable portable readers were mentioned for the benefit of participants.

The final portion of Session 7 was led by Nellie B. Strickland, with resource person, Captain Jeanne Hamilton, USA, Chief of Plans and Programs, Micrographics Management Branch, TAGCEN, HQDA. Captain Hamilton addressed the topic, "Micrographic Activities in the Army."

She used a slide presentation to describe the scope and responsibilities of the Micrographics Management Branch, which develops policies and controls, authorizes major procurement actions, and provides quality assurance programs by testing hardware. Although the branch is in a position to identify and recommend equipment meeting specific micrographic requirements, she noted that some assistance is available at the local level, usually in the Records Management Branch, which is normally assigned the responsibilities for micrographics management. Project IMPACT, designed to convert Army publications into microfiche, was mentioned. Completion of Phase 1 proved IMPACT's feasibility, but no time frame was given for Phase 2, the actual production of microfiche.

The question and answer period brought out a number of problems librarians face in micrographics management at the operating level. The nature of the questions clearly indicated that any revision of AR 340-22 will require greater coordination between the Micrographics Management Branch and libraries in order to correct some problems the regulation unnecessarily inflicts on libraries. It was suggested that libraries should perhaps be exempt from the regulation, which Captain Hamilton noted would not be precedent-setting.

# RECOMMENDATIONS



#### RECOMMENDATIONS COMMITTEE REPORT

The following recommendations were submitted to the Institute and accepted by acclamation.

Members of the 1977 Army Library Institute, held on 9-13 May 1977, at Fort Belvoir, Virginia, recommend:

1. THAT on behalf of Institute participants, HQDA express appreciation for an excellent Institute and suggest HQ TRADOC be commended.
2. THAT HQ TRADOC initiate letters of appreciation to the hosting installation, guest speakers, and support personnel.
3. THAT a Long-Range Planning Committee be established for the Institute to insure continuity of management and technical training provided by the Institute, and to provide coordination of future Institutes.
4. THAT TAGCEN, HQDA, request HQ FORSCOM to develop and host the 1978 Army Library Institute.
5. THAT the Institute report of proceedings and adopted recommendations be forwarded by HQ TRADOC to TAGCEN, HQDA, and that information copies be furnished to MACOM and HQ agencies, and to all participants.
6. THAT the recommendations of the Study of Army Libraries, July 1976, be implemented for the benefit of those commands and agencies desiring to participate in cooperative activities.
7. THAT an official joint MACOM/HQ Agency committee be formed to develop cooperative projects and programs.
8. THAT Institute Working Groups submit a quarterly progress report to the hosting MACOM (TRADOC) for distribution as appropriate.
9. THAT procurement of library materials be added to the basic training course for procurement officers as suggested by the Assistant for Procurement Procedures, Deputy for Materiel Acquisitions, Office of the Secretary of the Army, I&L.
10. THAT the Office of the Deputy for Materiel Acquisitions, Office of the Secretary of the Army, I&L, issue a Procurement Instruction Letter (PIL) on the specialized procurement requirements for library materials to procurement officers Army-wide.



11. THAT the Library Division, Morale Support Directorate, Personal Environment Systems, TAGCEN, HQDA, request exemption from AR 340-22 for all formally organized Army libraries.

12. THAT, for information purposes, all Army libraries receive distribution of current publications issued from the Library Division, Morale Support Directorate, Personal Environment Systems, TAGCEN, HQDA, including the monthly clothbound book procurement lists and "Other Items of Interest."

# WORKING GROUP REPORTS

Report of WORKING GROUP 1: MANAGEMENT REPORTING

Session 1 - Wednesday, 11 May 1977.

1. Don Olsen, Chairperson, opened the session by stating that the sessions we will hold this week will probably be only a beginning in developing any management reporting techniques for Army libraries. We may come up with some recommendations before the end of the Institute but our job will probably require much telephoning among those of us in the group throughout the year.
2. Dr. Frank L. Schick and Nick Osso from the National Center for Educational Statistics, Department of Health, Education and Welfare, discussed the revision of the 1972 Survey of Federal Libraries.
3. James P. Riley and D. Lee Power from the Federal Library Committee described the part they have played in the Survey and in developing the questionnaire.
4. They passed out a draft questionnaire, which will be sent to us through command channels for completion.
5. It was suggested that the type of statistics to be collected for this Federal Library Survey should be essentially the same as those we should attempt to keep in the Army.
6. At this first meeting, no substantial progress was made concerning identifying the kinds of statistics to keep.

Session 2 - Thursday, 12 May 1977.

1. Don Olsen, Chairperson, opened the session with a discussion of the types of statistics that we are presently keeping. Librarians in FORSCOM keep statistics on an ongoing basis and report the data collected to higher headquarters periodically.
2. One group member from an academic library indicated that TRADOC is developing a system of statistics for them to follow. They will be receiving guidance in utilizing this system.
3. Group members from technical libraries representing DARCOM and OCE indicated that the only statistics they keep are for their internal use. They have not been directed to submit data to higher headquarters. This showed that all of us are maintaining some kinds of internal statistics for our own use even though we are not reporting data collected to

higher headquarters.

4. Some mentioned the purposes for keeping statistics and the response was that one primary purpose for keeping them is to support manpower requirements. We need to be able to show actual performance rather than our ability to perform. Another question was raised as to what use is made of statistics at the headquarters level. The answer indicated that the use of the statistics is twofold:

a. The user figure (door count) is used for cost performance standards and budget purposes.

b. The statistics all together are used as input for the Federal Library Survey.

5. Various specific questions were raised:

a. How do we measure services?

b. What type of statistics can be kept on users once they enter the library?

c. What part of my collection is being used?

d. What percentage of the total number in my organization do the users represent? (In answer to this question it was suggested that a survey could be developed to collect such data.)

6. A discussion followed concerning the types of statistics we should keep. An example of a meaningful statistic is one that would show reference service completed as well as that uncompleted. This finding could include the number of sources outside the library consulted and the number of times this outside consultation occurred. Data of this type could aid in the library's acquisitions program.

7. The group decided we would break into five subgroups to work on the following questions:

a. What statistics do we need to keep at the local level?

b. What statistics do we need to submit to higher headquarters?

c. What data is to be collected on a continuing basis?

d. What data is best collected using a sampling technique?

e. What statistics should be kept that will support manpower



requirements?

All group members selected various subgroups to participate in, and all indicated willingness to communicate with each other throughout the year.

8. Working Group 1 decided to make a formal recommendation to the Institute concerning the criteria to be used in data collection:

a. Data collection should be held to a minimum, and no statistics should be collected without a clear and definite purpose.

b. No statistic should be collected on an ongoing basis if the projected need could be served by sampling at the time when the specific need arises. (Cost considerations in collecting statistics should be a factor in the decision.)

c. All library statistics should relate as directly as possible to measurement of library services.

d. The use of library statistics for comparative purposes is most legitimate when planning for better performance is the objective.

9. It was decided by all group members that at this time no library or command should be identified that would have the overall responsibility for collection and dissemination of the data from all reporting libraries. At the Institute next year, Group 1 will meet again and develop some answers to the questions we have posed to ourselves this year.

Respectfully submitted,

KATHERINE A. HAYES/s/  
Recorder

Report of WORKING GROUP 2: TRAINING PROGRAM FOR LIBRARY TECHNICIANS

Session 1 - Wednesday, 11 May 1977.

Mrs. Madge Busey, Chairperson, opened the first meeting with a short discussion of the tentative goals for this working group:

- a. To determine training needs of library paraprofessional staff at all levels.
- b. To review currently available structured training in relation to needs identified.
- c. To develop training programs and the means for making them available to all.

Dr. Ronald W. Spangenberg of the U.S. Army Training Development Institute, outlined the steps to be taken to develop a meaningful training program for library paraprofessionals. First task is to establish that there is a valid need for a training program. Then determine what tasks would require training. The most effective tool to establish these is a well-constructed survey. On the basis of survey results a training program can be constructed to meet training needs either by a working group such as this or by contracting out. Dr. Spangenberg stated that contracting out is usually the easiest method. However, he emphasized the necessity for carefully monitoring contracts to get results wanted and for doing validation testing before acceptance. Dr. Spangenberg said he would be willing to serve in an advisory capacity if the working group made the decision to go ahead with a training project.

Since no time remained for discussion, Mrs. Busey asked members to think about the group objectives proposed at the beginning of this session and the large amount of work involved to accomplish them as outlined by Dr. Spangenberg. Each person was asked to come to Session 2 ready to discuss whether such a project was necessary and if this group should undertake it.

Session 2 - Thursday, 12 May 1977.

Mrs. Busey opened the meeting by outlining briefly the objectives laid down at the first meeting and the size of the task involved. She then invited discussion by the group, which decided unanimously:

- a. That a program of paraprofessional training is badly needed.
- b. That such a program should be standardized.

c. That the training program would cover elementary (beginning Library Aid) levels and progress through to highly technical (i.e. to Library Technician, GS-1410-09) levels to relate to upward mobility programs.

d. That training courses should be packaged, self-paced programs with provision for testing.

e. That a credit system be evolved with the program.

It was decided that this group should undertake the task of developing such a program and should roughly follow Dr. Spangenberg's outline. Two years was set as a reasonable time frame with a goal of having results of two surveys to report at the 1978 Army Library Institute:

a. Tasks for which training programs are to be developed and at what levels.

b. Availability of already packaged programs, and an evaluation of them in terms of military libraries training needs.

Three working subgroups were established. Subgroup 1 will survey availability of self-paced training programs and evaluate them. Subgroup 2 will survey training needs. Subgroup 3 will compile tasks to meet performance requirements at various levels of responsibility. Members of the teams are as follows:

Working Subgroup 1: D. Louise MacLean and Catherine L. Zealberg, Co-Chairpersons. Members: Arlene S. Tibayan, Samuel R. Sherwood, Eva M. Cathey, Ann R. Grilla, Eula I. Mallery, Isabelle Mudd, Frank M. London.

Working Subgroup 2: Donna K. Griffiths, Chairperson. Members: Madge J. Busey, Ruth S. Janssen, Duane E. Williamson, Dolores M. Anguiano, Joyce C. Watlington, Maxine M. Ellis, Edna M. Snyder, Margaret F. Hardin, Joan E. Price.

Working Subgroup 3: Carol K. Norton and James D. Chestnut, Co-Chairpersons. Members: Amelia K. Sefton.

Additional members may be added to these groups at the chairpersons' discretion.

MARGARET F. HARDIN  
Recorder



Report of WORKING GROUP 3: COOPERATIVE LIBRARY PROGRAMS - SHARED CATALOGING

I. GENERAL

A. Working Group 3 recognizes:

1. That in today's environment of both manpower and fiscal constraints, cooperative efforts in the area of shared cataloging are becoming a necessity for Army libraries; and
2. The importance of the Army Study as an impetus to cooperative activities among all Army libraries.

B. With these assumptions, this Working Group submits, for endorsement by members of the 1977 Army Library Institute, the following broad objectives and tasking assignments in the area of shared cataloging.

II. OBJECTIVES

A. Encourage the establishment of this Working Group as a core of a permanent advisory group to the larger Army library community for the purpose of representing that community to other DOD, outside federal, and civilian agencies in matters concerning Army activities in the area of shared cataloging; and, appointment of a representative from the Working Group to act as a liaison with the Federal Library Committee.

B. Until development of an inclusive Army network system, encourage individual Army libraries to join and use the services provided by the larger established network systems such as FEDLINK, SOLINET, AMIGOS, NELINET, INCOLSA, PALINET, etc. within their respective geographic area.

C. Promote the education of Army library personnel in the concepts and use of shared cataloging systems for Army libraries.

III. TASKS

A. The following are specific task areas recommended for implementation by Working Group 3 to accomplish outlined objectives:

1. Develop public relations packets, newsletters, educa-



tional bulletins, bibliographies, etc., for the purposes of promoting education in the area of shared cataloging and disseminate such materials throughout the Army library community. (Task Chairperson: Mary J. Weiss, AV 581-5431)

2. Perform a state-of-the-art review in the area of shared cataloging and networking in relation to Army libraries. Such a review would include:

- a. Survey all federal libraries by region or state.
- b. Survey all existing networks within these regions and states.
- c. Compare existing networks with libraries in need of hook-up to networks.
- d. List all Army libraries where no network exists.
- e. Make a feasibility study of the possibility of hook-up by piggyback to an on-line cataloging system or network. (Task Chairpersons: Autha S. Williams, AV 927-5563 and Lee W. Porter AV 459-3188)

3. Appoint Ruth E. Hodge as liaison contact with the Federal Library Committee.

4. Evaluate the TRADOC SCARS model for applicability to the larger Army library community. (Task Chairperson: JoAn Stolley, AV 680-3977)

5. Encourage active participation and regular correspondence among all members of the Working Group over the coming year period.

Respectfully submitted,

JoAn I. STOLLEY/s/

Report of WORKING GROUP 4: COOPERATIVE LIBRARY PROGRAM - RESOURCE SHARING

Working Group 4 addressed a wide gamut of cooperative activities which might be implemented immediately without significant manpower and materials cost. From the two major meetings held, the following programs evolved, telescoping original ideas down to a workable plan packet.

Following the overwhelming trend of the entire Institute, Group 4 deeply regretted the currently dormant status of the Study of Army Libraries, and pledged to actively support its revival. In the interim, the Group specifically will promote the implementation of the Study recommendations addressing library cooperative programs.

Major Projects:

1. Compilation and initial dissemination of an Interlibrary Loan Profile package which will expedite ILL actions among Army libraries, regardless of genre. The Group, using as a model the library profile questionnaire devised by the University of New Mexico, made on-the-spot additions, deletions and revisions which adapted the form to Army requirements, trimming down requirements for much statistical input in order to make the questionnaire less formidable. Ms. Mary N. Wooten will send a resulting draft to each member of the Group, at which time further refinements may be made. The final draft will then be disseminated through commands to all Army libraries. The Group strongly felt that participation in the profile program must be voluntary and individually entered into, and with the understanding that input will reflect a given library's willingness to lend materials as stipulated. The initial project will be the responsibility of Group 4, including dissemination of the questionnaire, compilation of resulting profiles, and dissemination of the package to all participating libraries in the form of individual pages to be utilized in a loose-leaf format.

2. Promotion of voluntary participation on the part of individual Army libraries, regardless of genre, in the TRALINET project. The TRADOC Library Information Network invites any Army library to input its periodical holdings into the data base, with the understanding that it thereby pledges to lend such materials. The Group again urged that participation be voluntary, and that promotion of participation be directed to individual libraries rather than through command structure, so that each library may individually elect to take advantage of TRALINET's interlibrary loan potential. One excellent vehicle of promotion was thought to be the Clothbound Book Kit and Other Items of Interest publication currently disseminated to

Morale Support libraries by DA TAGO. This idea led to the following action:

Recommendation: The Group submitted to the Recommendation Committee, which presented to the Institute for formal adoption, the following: That the Clothbound Book Kit List and Other Items of Interest, currently disseminated to Morale Support Libraries, be distributed to all Army libraries, regardless of genre, in the interest of sharing valuable professional information, to include sharing tips and leads, and in order to aid those libraries located near Morale Support Libraries in precluding needless duplication of Morale Support kit distribution titles.

Group Newsletter: In order to retain the close cooperative ties established during the Institute-based Group meetings, and to sustain the enthusiasm and interest of the participating members, the Group unanimously agreed that a newsletter would be valuable. Mr. Lyle W. Minter volunteered to edit such a flyer at regular intervals, utilizing input supplied by the total Group members. The initial newsletter will be scheduled for mid-July.

Note: Ms. Joan M. Fredrickson was unable to attend the Institute. In her place as Chairperson of Group 4, Ms. Barbara E. Stevens presided. Ms. Barbara T. Everidge accepted the role of Group Recorder.

Submitted by,

BARBARA E. STEVENS



Report of WORKING GROUP 6: REVISION OF CPR 950-21, ARMY CIVILIAN  
CAREER PROGRAM FOR LIBRARIANS

1. Members of Working Group first met the morning of 11 May in the rear area of the Ballroom, Sosa Recreation Center. Ms. Omdahl, the Chairperson, described the need for a revision of CPR 950-21, Army Civilian Career Program for Librarians. This CPR was developed at the beginning of the Army-wide Librarian Career Program (LCP) in 1966. During the past ten years much practical experience has been gained in career development, registration, and referral. Changes in the basic policy as reflected by CPR 950-21 are necessary if the purpose of the LCP is to be accomplished. Ms. Omdahl emphasized that all changes must be in consonance with CPR 950-1, Career Management: Basic Policies and Requirements which is also being revised. Ms. Strickland, Functional Chief's Representative, Army Librarian Career Program, has final functional responsibility for the revision of CPR 950-21.

2. Core members of the Working Group were given the following sub-chapter revision assignments:

- Subchapter 1: General Provisions - Egon Weiss
- Subchapter 2: The Career Field - Glenna Piersall
- Subchapter 3: Training & Development - Margaret Murphy
- Subchapter 4: Registration & Referral - Bernard Strong
- Appendix A: Master Training Plan for Librarians - Concetta Anaclerio
- Appendix -: (New) SKAP - Nellie Strickland

3. Core members were also given the following suspense dates by Ms. Omdahl:

- 1 Dec 77: Draft copies of each revised Subchapter and Appendix are due in Ms. Omdahl's office.
- 1 Feb 78: Ms. Omdahl will finish her review of each draft copy and return to Core Member for final revision.
- 1 Apr 78: Final revised copy is due in Ms. Omdahl's office.
- 30 May 78: Complete revision of CPR 950-21 due in Ms. Strickland's office.

4. The members of the Working Group were asked to consider whether:

- a. An outline of the new revisions should be prepared.
- b. The format of the CPR should be revised.
- c. A listing of additions, deletions, and changes is necessary.
- d. New career patterns need to be developed.



Some editing changes were suggested, and then a discussion ensued on certain specific aspects of the Army Librarian Career Program.

5. A second meeting of the Working Group was held at 1830 hours on 12 May in the general reference area of the Van Noy Library. There were further discussions and amplifications of the instructions received. The Staff Librarians at HQ FORSCOM, TRADOC and DARCOM were asked to submit their respective Command's Intern Training Plans to Ms. Anaclerio.

6. On Friday afternoon, 13 May, Ms. Omdahl delivered the Report of Working Group 6 to those attending the 1977 Army Library Institute.

Submitted by,

Concetta R. ANACLERIO  
Secretary

# APPENDIX



## APPENDIX A

### REGISTRANTS - 1977 ARMY LIBRARY INSTITUTE

\* - Indicate registrants who were unable to attend the Institute.

AKERS, Rose E.  
Recreation Services Library  
Library Services Center  
Bldg. 1850  
Fort Hood, TX 76544

ANACLERIO, Concetta R.  
US Army Concepts Analysis Agency  
8120 Woodmont Avenue  
Bethesda, MD 20014

ANDERSON, Linda L.  
USACDEC Technical Library, Box 22  
Bldg. 2925, 13th Street  
Fort Ord, CA 93941

ANGUIANO, Dolores M.  
Director, TRASANA  
ATTN: Library  
White Sands Missile Range, NM 88002

ANZALONE, Alfred  
PLASTEC, Bldg. 3401  
ARRADCOM  
Dover, NJ 07801

ATWATER, Virginia P.  
Grandstaff Library  
Bldg. 2109  
Fort Lewis, WA 98433

BALANDA, Stephen J.  
Recreation Services Post Library  
Fort Monroe, VA 23651

BARRY, Louise C.  
Recreation Services Library Program  
US Army Armor Cen & Ft Knox  
Fort Knox, KY 40121

BERNDT, Marion M.  
HQDA (DAAG-REL)  
Forrestal Building  
Washington, D.C. 20314

BOYCE, Richard D.  
Recreation Services Division  
Main Post Library, Bldg. P-411  
Fort Stewart, GA 31313

BRAUND, Emma M.  
US Army Engineer School  
Learning Resources Center, Bldg. 210  
Fort Belvoir, VA 22060

BUELNA, Joseph  
Post Library, Box 317  
Fort Clayton, Canal Zone  
APO New York 09827

BURGESS, Edwin B.  
US Army Concepts Analysis Agency  
8120 Woodmont Avenue  
Bethesda, MD 20014

BURNS, Dean A.  
Main Post Library  
Recreation Services Division  
Fort Bragg, NC 28307

MUSEY, Madge J.  
Van Noy Library, Bldg. 1024  
US Army Engr Cen & Ft Belvoir  
Fort Belvoir, VA 22060

BYRN, James H.  
USA Field Artillery School  
Morris Swett Technical Library, Snow Hall  
Fort Sill, OK 73503

CALDWELL, Catherine L.  
Armor School Library  
Caffey Hall, Bldg. 2369  
Old Ironsides Avenue  
Fort Knox, KY 40121

CAREY, Lois J.  
US Army Engineer School  
Learning Resources Center, Bldg. 270  
Fort Belvoir, VA 22060

CASEY, Philip M.  
US Army Armament Research and Development Cmd.  
Bldg. 59  
Dover, NJ 07801

CASSLER, Phyllis S.  
Research and Reference  
US Army Military History Institute  
Carlisle Barracks, PA 17013

CATHEY, Eva M.  
USAMMCS Technical Library  
Bldg. 3323  
Redstone Arsenal, AL 35809

CHAMBERS, Jeannette A.  
Medical Library  
US Lyster Army Hospital  
Bldg. 301  
Fort Rucker, AL 36362

CHANEY, A. Virginia  
172d Inf. Bde. (Alaska)  
Post Library, Bldg. 636  
Fort Richardson, Alaska 99505

CHESTNUT, James D.  
Van Noy Library, Bldg. 1024  
US Army Engr Cen & Ft Belvoir  
Fort Belvoir, VA 22060

## APPENDIX A

CHEUNG, Linda J.  
US Army Foreign Science & Technology Center  
ATTN: DRXST-IS3  
220 7th St. NE  
Charlottesville, VA 22901

CHRISTINE, Barbara S.  
Recreation Services Library Program  
US Army Armor Cen & Ft Knox  
Fort Knox, KY 40121

CLARK, Palmer P.  
Van Noy Library, Bldg. 1024  
US Army Engr Cen & Ft Belvoir  
Fort Belvoir, VA 22060

COBURN, Barbara A.  
DRXDO-TI  
Harry Diamond Laboratory  
2800 Powder Mill Rd.  
Adelphi, MD 20782

COHEN, Bernice  
Tobyhanna Army Depot  
ATTN: DRXTO-IS-M (Library)  
Tobyhanna, PA 18466

COMPTON, Theresa T.  
Medical Library  
Bldg. 1-D, Rm. C206  
Walter Reed Army Medical Center  
Washington, D.C. 20012

COOK, John P.  
Recreation Services Library Program  
US Army Quartermaster Cen & Ft Lee  
Fort Lee, VA 23801

CROSS, Dorothy A.  
XVIII Airborne Corps  
ATTN: AFZA-PA-RS  
(Ch Lib)  
Fort Bragg, NC 28307

CURTSINGER, Eula B.  
Post Library  
Bldg. 464  
White Sands Missile Range, NM 88002

DE VAUGHAN, D. Sharrow  
Technical Library  
MERADCOM  
Fort Belvoir, VA 22060

DORRIAN, James J.  
DCA, Recreation Services Division  
ATTN: C. Library  
Fort Ord, CA 93941

DORSEY, James C.  
Van Noy Library, Bldg. 1024  
US Army Engr Cen & Ft Belvoir  
Fort Belvoir, VA 22060

DOWTIN, Maude C.  
Recreation Services Library Program  
US Army Tng Cen & Ft Jackson  
Fort Jackson, SC 29207

\*DOYLE, Frances  
Medical Library  
Cutler Army Hospital  
Fort Devens, MA 01433

DUMAS, Anna B.  
Commander  
Ballistic Missile Defense System Cmd.  
ATTN: BDMSC-AOLIB  
P.O. Box 1500  
Huntsville, AL 35807

\*DURKIN, Mary L.  
US Army Aviation School Library  
Bldg. 5906 & 5907  
Fort Rucker, AL 36362

EARNEST, Kathryn L.  
Recreation Services Post Library  
Fort Hamilton, NY 11252

ELLIS, Maxine M.  
Technical Library  
US Army Computer Systems Cmd.  
Fort Belvoir, VA 22060

ETCHISON, Annie L.  
HQ USAREUR & 7th Army  
ODCSPER  
ATTN: AEAGA-SR  
APO New York 09403

EVANS, Dorothy W.  
Walter Reed Army Institute of Research Library  
Walter Reed Army Medical Center  
Washington, D.C. 20012

EVERIDGE, Barbara T.  
HQ TRADOC (ATAG-PEM-L)  
HQ TRADOC Technical Library  
Fort Monroe, VA 23651

FORST, Rosalie O.  
US Army Research & Development Cmd.  
Ballistic Research Lab.  
ATTN: DRDAR-TSB-S (Bldg. 305)  
Aberdeen Proving Ground, MD 21005

\*FOX, Dexter  
Army Environmental Hygiene Agency  
Aberdeen Proving Ground, MD 21010

FRAGALE, John  
USA Materiel Development & Readiness Command  
ATTN: DRXAM-TL  
5001 Eisenhower Ave.  
Alexandria, VA 22333



## APPENDIX A

FREDRIKSON, Joan M.  
Recreation Services Library Program  
US Army Quartermaster Cen & Ft Lee  
Fort Lee, VA 23801

FRY, Betty K.  
USA Logistics Center  
Bldg. 12401, Room 144  
Fort Lee, VA 23801

GALLANT, Thomas A.  
HQ TRADOC (ATAG-PEM-L)  
HQ TRADOC Technical Library  
Fort Monroe, VA 23651

GALLOWAY, Delfina C.  
US Army Air Defense School Library  
Bldg. 2, Wing E  
Fort Bliss, TX 79916

CERA, V. Lynn  
Walter Reed Army Institute of Research Library  
Walter Reed Army Medical Center  
Washington, D.C. 20012

GESTO, Marilyn J.  
US Army Tropic Test Center  
ATTN: STETC-MO (Technical Library)  
APO New York 09827

GIPE, Patricia H.  
Defense Systems Management College  
Fort Belvoir, VA 22060

GREENE, Lucy R.  
Logistics Library  
Bunker Hall  
Fort Lee, VA 23801

GRIFFITTS, Donna K.  
Medical Librarian  
DASG-AAFJML  
Forrestal Bldg., Rm. 6E-040  
Washington, D.C. 20314

GRILLA, Ann R.  
Recreation Services Library  
Bldg. 44  
Fort McPherson, GA 30330

GRINER, Marina  
USA Institute of Administration (ATSC-TEI-L)  
Fort Benjamin Harrison, IN 46216

HAGGERTY, Ruth M.  
Ash Library Armed Forces Inst. of Pathology  
Walter Reed Army Medical Center  
Washington, D.C. 20306

HAMPTON, Marcia. W.  
USAISD  
ATTN: ATSIIE-DT-L  
Fort Devens, MA 01433

HANNHOLM, Robert M.  
US Army Engineer School  
Learning Resources Center, Bldg. 270  
Fort Belvoir, VA 22060

HARDIN, Margaret F.  
Recreation Services Library Program  
US Army Fld Arty Cen & Ft Sill  
Fort Sill, OK 73503

\*HARVAN, Pauline C.  
Main Post Library  
Bldg. 1528  
Fort Carson, CO 80913

HAYES, Katherine A.  
US Army Engineers District, St. Louis  
District Library  
Rm. 944  
210 N. 12th Street  
St. Louis, MO 63101

HAZNEDARI, Ishmael K.  
US Army Armament Research and Development Cnd.  
Bldg. 59  
Dover, NJ 07801

HEADLEY, AAVA D.  
US Army Operational Test & Evaluation  
5600 Columbia Pike  
Falls Church, VA 22041

HENCH, Joan M.  
US Army War College  
Carlisle Barracks, PA 17013

HODGE, Ruth E.  
US Army War College  
Carlisle Barracks, PA 17013

HOLLAND, Gloria J.  
USA Materiel Development & Readiness Command  
ATTN: DRXAM-TL  
5001 Eisenhower Ave.  
Alexandria, VA 22333

HUGGINS, Una D.  
HQDA (DAAG-REL)  
Forrestal Bldg.  
Washington, D.C. 20314

HUGHES, Lealer M.  
Dir. Eustis Div.  
US Army Air Mobility Research & Development Lab.  
Fort Eustis, VA 23604

HUNSECKER, Helen L.  
US Army War College  
Carlisle Barracks, PA 17013

JANSSEN, Ruth S.  
USAMRIID Library, Bldg. 1425  
Fort Detrick  
Frederick, MD 21701

## APPENDIX A

JOHNSON, Malinda M.  
Recreation Services Division  
Main Post Library, Bldg. P-411  
Fort Stewart, GA 31313

\*KADIN, Ron  
Recreation Services Post Library  
Aberdeen Proving Ground, MD 21005

KATO, Sadako S.  
Library Service Center  
Recreation Services, DPCA, USAGH  
APO San Francisco 96343

\*KELLER, Joan R.  
Special Services Library  
Room 104  
Letterman Army Medical Center  
Presidio of San Francisco, CA 94129

KOLB, Edward J.  
USA Materiel Development & Readiness Command  
DRCDE, Rm. 8N14  
5001 Eisenhower Ave.  
Alexandria, VA 22333

KOTHE, Natalie E.  
US Army Engineers Topographic Lab.  
Scientific & Technical Information Center  
Fort Belvoir, VA 22060

\*KRAINIK, Mary M.  
Recreation Services Division  
Library Branch  
Bldg. 2541  
Fort Ord, CA 93941

KUENY, Susanne F.  
Recreation Services Post Library  
United States Military Academy  
West Point, NY 10996

LANGELAN, Severine L.  
Post Library, Bldg. 1-D  
Walter Reed Army Medical Center  
Washington, D.C. 20012

LA POINTE, Ruth M.  
Groninger Library  
Bldg. 1313  
Fort Eustis, VA 23604

LEVETT, Willie L. G.  
Army Aviation System Command  
STINFO, Reference Library Branch  
DRSAV-ZDR  
12th & Spruce Sts.  
St. Louis, MO 63166

LIVINGSTON, Kay D.  
USA Infantry School Library  
Bldg. 4, Infantry Hall  
Fort Benning, GA 31905

LONDON, Frank M.  
DARCOM Intern Training Center  
ATTN: DRXMC-ITC-AL  
Red River Army Depot  
Texarkana, TX 75501

LUSK, Marie N.  
Recreation Services Library Program  
US Army Air Defense Cen & Ft Bliss  
Fort Bliss, TX 79916

MC LAUGHLIN, Catherine M.  
Van Noy Library, Bldg. 1024  
US Army Engr Cen & Ft Belvoir  
Fort Belvoir, VA 22060

MACLEAN, D. Louise  
Base Library  
Bldg. 169  
USATARCOMSA-S  
Selfridge ANG Base, MI 48045

MORRIS, Mildred Mc.  
Recreation Services Library Program  
US Army Signal Cen & Ft Gordon  
Fort Gordon, GA 30905

MALLERY, Eula I.  
Recreation Services Post Library  
US Army Admin Cen & Ft Ben Harrison  
Fort Benjamin Harrison, IN 46216

MARLOWE, Rosemary C.  
Van Noy Library, Bldg. 1024  
US Army Engr Cen & Ft Belvoir  
Fort Belvoir, VA 22060

MATTE, Michelle P.  
Army Materials & Mechanics Research Center  
Technical Library  
Watertown, MA 02172

MINTER, Lyle W.  
Post Library  
Vint Hill Farms Station  
Warrenton, VA 22186

MUDD, Isabelle  
Recreation Services Post Library  
Fort Wainwright, Alaska 98731

MURPHY, Margaret M.  
Army Materials & Mechanics Research Center  
Technical Library  
Watertown, MA 02172

NANCE, Marian O.  
USAIMA Marquat Memorial Library  
Room 140, Kennedy Hall  
Fort Bragg, NC 28307

## APPENDIX A

NEWTON, Barbara I.  
Chemical Systems Laboratory  
ARRADCOM  
ATTN: DRDAR-CLJ-1/Biomed Sec.  
Aberdeen Proving Ground, MD 21010

NORTON, Carol K.  
Recreation Services Division  
Main Post Library  
Bldg. P-411  
Fort Stewart, GA 31313

NOVINGER, Margaret H.  
USASIGS Library  
USA Signal School  
Fort Gordon, GA 30905

NYCE, Louise  
HQ US Army Forces Command  
ATTN: AFPR-PS  
Fort McPherson, GA 30330

OLSON, Don  
HQ, Fort Sam Houston  
Recreation Services Division  
Fort Sam Houston, TX 78234

OLSTEAD, Patricia B.  
Technical Library  
US Army Natick Research & Development Cmd.  
ATTN: DRXNM-TRL  
Natick, MA 01760

OMDAHL, Ingjerd O.  
USA Materiel Development & Readiness Command  
ATTN: DRXAM-L  
5001 Eisenhower Ave.  
Alexandria, VA 22333

PIERSALL, Glenna J.  
DPCA, Recreation Services Division  
Library Branch  
101st ABN DIV (AASLT) & Ft Campbell  
Fort Campbell, KY 42223

PORTER, Lee W.  
Post Library  
Bldg. 1  
Bradley Loop  
Fort Sheridan, IL 60037

PRICE, Joan E.  
Technical Library  
US Army Computer Systems Cmd  
Fort Belvoir, VA 22060

PROESCHEL, Diana C.  
HQDA (DAAG-REL)  
Forrestal Bldg.  
Washington, D.C. 20314

PUGH, Belinda J.  
Van Noy Library, Bldg. 1024  
US Army Engr Cen & Ft Belvoir  
Fort Belvoir, VA 22060

RAY, H. Annette  
Recreation Services  
Library Branch  
Fort Polk, LA 71459

REDD, Gwendolyn L.  
Recreation Services Library Program  
US Army Inf Cen & Ft Benning  
Fort Benning, GA 31905

\*REDMOND, Dorothy A.  
US Army Engineer School  
Learning Resources Center, Bldg. 270  
Fort Belvoir, VA 22060

REEVES, Patricia A.  
Post Library  
Bldg. 1  
Bradley Loop  
Fort Sheridan, IL 60037

RICE, Margarete M.  
Post Library, Bldg. 502  
Fort Monmouth, NJ 07703

ROBINSON, Catherine M.  
Recreation Services Library  
Bldg. 4418  
Fort George G. Meade, MD 20755

RUCKER, Newton W.  
Medical Library  
Bldg. 1-D, Room C206  
Walter Reed Army Medical Center  
Washington, D.C. 20012

RUSSELL, J. Thomas  
National Defense University Library  
Fort Leslie J. McNair  
4th & P Sts., SW  
Washington, D.C. 20319

SEFTON, Amelia K.  
Recreation Services Post Library  
US Army Avn Cen & Ft Rucker  
Fort Rucker, AL 36362

SHAFFER, Mary L. L.  
The Army Library (ANRAL)  
The Pentagon, Room 1A518  
Washington, D.C. 20310

SHERWOOD, Samuel R.  
Recreation Services Library Program  
US Army Tng Cen & Ft Dix  
Fort Dix, NJ 08640

SNYDER, Edna M.  
US Army Medical Bioengineering Res. & Dev. Lab.  
Bldg. 568  
Fort Detrick  
Frederick, MD 21701

+ - Ms. Redmond, US Army Engineer School, who was the Chairperson, Registration Committee, 1977 Army Library Institute, passed away just prior to the Institute on 26 April 1977.



## APPENDIX A

STEVENS, Barbara E.  
USA Sergeants Major Academy  
Learning Resources Center  
Bldg. 11203  
Fort Bliss TX 79918

STOLLEY, Joan I.  
HQ TRADOC (ATAG-PEM-L)  
HQ TRADOC Technical Library  
Fort Monroe, VA 23651

STRICKLAND, Nellie B.  
HQDA (DAAG-REL)  
Forrestal Bldg.  
Washington, D.C. 20314

STRONG, Bernard E.  
USADMA Marquat Memorial Library  
Room 140, Kennedy Hall  
Fort Bragg, NC 28307

TALBOTT, Daniel F.  
Defense Systems Management College  
Fort Belvoir, VA 22060

TAYLOR, Juanita W.  
Recreation Services Division  
ATTN: AFZM-RS  
Presidio of San Francisco, CA 94129

\*TESHONY, Karen A.  
Recreation Services Library Program  
US Army Quartermaster Cen & Ft Lee  
Fort Lee, VA 23801

TIBAYAN, Arlene S.  
Recreation Services Division, DPCA  
US Army Spt Cmd Hawaii  
APO San Francisco 96558

\*TOMPKINS, Dorothy C.  
USA Intel Cen & Sch Library  
Bldg. 84005 & 84006  
Fort Huachuca, AZ 85613

TOBIAS, Verva G.  
SEAD Library  
Seneca Army Depot  
Romulus, NY 14541

TRIPP, Marilyn J.  
Commander  
US Army TARADCOM  
ATTN: DRDTA-UL  
Warren, MI 48090

\*TRISDALE, Raymon  
Logistics Library  
Bunker Hall  
Fort Lee, VA 23801

TUCKER, Bonita J.  
Grandstaff Library  
Bldg. 2109  
Fort Lewis, WA 98433

\*VARIEUR, Normand L.  
US Army Armament Research and Development Cnd.  
STINFO Div.  
Dover, NJ 07801

VELASCO, Virginia E.  
Library  
Forest Glen Section  
Bldg. 101, Room 1064  
Walter Reed Army Medical Center  
Washington, D.C. 20012

VIERGEVER, Dan W.  
Recreation Services  
Main Post Library  
Bldg. 6  
Fort Riley, KS 66442

VROOMAN, George K.  
Technical Library Division  
Benet Weapons Laboratory  
SARVV-RT-L  
Watervliet Arsenal  
Watervliet, NY 12189

WADE, Arthur E.  
Medical Library  
Bldg. 1-D, Rm. C206  
Walter Reed Army Medical Center  
Washington, D.C. 20012

WALSH, Lillian M.  
Recreation Services Post Library  
Carlisle Barracks  
Carlisle Barracks, PA 17013

WATLINGTON, Joyce C.  
US Army Human Engineering Laboratory  
ATTN: Library  
Aberdeen Proving Ground, MD 21010

WEAVER, Josephine E.  
Davis Library  
Fort Devens, MA 01433

WEBER, Helen  
Post Library System  
Bldg. 41420  
Fort Huachuca, AZ 85613

WEISS, Egon A.  
US Military Academy Library  
West Point, NY 10996

WEISS, Mary J.  
Recreation Services Library Program  
US Army Tng Cen, Eng & Ft Leonard Wood  
Fort Leonard Wood, MO 65473

WESTON, Janice L.  
US Army Ordnance Center & School  
Library/Learning Center, Bldg. 3071  
Aberdeen Proving Ground, MD 21005



## APPENDIX A

WHIPPLE, Marcia J.  
Library Tech. Services  
Bldg. AT 2747  
Fort Bragg, NC 28307

WHITE, Marybelle E.  
Walter Reed Army Institute of Research Library  
Walter Reed Army Medical Center  
Washington, D.C. 20012

WILLIAMS, Autha S.  
US Army Transportation School Library  
Bldg. 70<sup>5</sup>  
Fort Eustis, VA 23604

WILLIAMSON, Duane E.  
US Army Dugway Proving Ground  
Technical Library  
Dugway, UT 84022

WILSON, Guy W.  
Recreation Services Library Program  
US Army Quartermaster Cen & Ft Lee  
Fort Lee, VA 23801

WOOTEN, Mary H.  
DPCA, Recreation Services Division  
Library Branch  
101st ABN DIV (AASLT) & Ft Campbell  
Fort Campbell, KY 42223

YAMACHIKA, Raymond Y.  
HQ TRADOC (ATAG-PEM-L)  
Fort Monroe, VA 23651

ZEALBERG, Catherine L.  
US Army War College  
Carlisle Barracks, PA 17013

CONSULTANTS AND RESOURCE PERSONS - 1977 ARMY LIBRARY INSTITUTE

BIERMAN, Frederick  
Assistant for Procurement Procedures  
Office of the Secretary of the Army, I & L  
Washington, D.C. 20310

BOGIE, Kenneth  
Director, Procurement IFB  
GSA, Federal Supply Service  
Post Office & Courthouse Bldg., Rm. 613  
Boston, MA 02109

BUIK, Charles C.  
University Consultants  
1629 K Street, NW  
Washington, D.C. 20006

CLEMENTS, Sally  
Deputy for Materiel Organization  
Office of the Secretary of the Army, I & L  
Washington, D.C. 20310

DOUDNIKOFF, Bill  
DATAFLOW Systems, Inc.  
7758 Wisconsin Ave.  
Bethesda, MD 20014

HAMILTON Jeanne  
Captain, USA  
Chief of Plans and Programs  
Micrographics Management Branch  
TAGCEN  
Forrestal Bldg.  
Washington, D.C. 20314

LEUTHY, Robert  
University Consultants  
1629 K Street, NW  
Washington, D.C. 20006

MEGEE, Milton H.  
Federal Library Committee  
Mainbuilding, Room G171  
Library of Congress  
Washington, D.C. 20540

MILLER, Phillip H.  
Deputy Director, Procurement  
Defense Supply Services  
The Pentagon  
Washington, D.C. 20310

PALMOUR, Vernon E.  
801 Ware Street, NW  
Vienna, VA 22180

PEARSON, Vivian  
Purchasing Branch  
Procurement Division  
Fort Belvoir, VA 22060

POWER, D. Lee  
Federal Library Committee  
Main Building, Room G171  
Library of Congress  
Washington, D.C. 20540

RILEY, James P.  
Federal Library Committee  
Main Building, Room G171  
Library of Congress  
Washington, D.C. 20540

ROSENTHAL, Sheryl  
Systems Development Corporation  
7929 Westport Drive  
McLean, VA 22101

SMITH, Esme  
Purchasing Agent for Libraries  
Procurement Division  
Fort Belvoir, VA 22060

SPANGENBERG, Dr. Ronald W.  
Training Management Institute  
Fort Eustis, VA 23604

STONE, Dr. Elizabeth W.  
Continuing Library Education  
Network & Exchange  
620 Michigan Avenue, NE  
Washington, D.C. 20064

TIGHE, Ruth  
National Commission on Libraries  
and Information Science  
1717 K Street, NW  
Washington, D.C. 20036

TREZZA, Alphonse F.  
National Commission on Libraries  
and Information Science  
1717 K Street, NW  
Washington, D.C. 20036

KEYNOTE ADDRESS - 1977 Army Library Institute, 9-13 May 1977

Delivered by Alphonse F. Trezza, Executive Director, National Commission on Libraries and Information Science.

Thank you very much. It's a real pleasure to be here this evening and to have this opportunity to talk with all of you about libraries, information services, and their directions. When I was first asked to come and speak, I had planned to come just for the evening meal and give my speech. But, the more I talked with Ray and Gene about the program and looked at it, I thought it might be much more useful to spend the day with you, so I'd have some sense of what it is you're trying to do.<sup>1</sup> I had read the Army Study, and had some feelings about it, but I thought it would be a lot more useful to actually come listen to some of your discussions and hear your reactions to it today. I'm glad I did; it was the right decision to make. Tonight, I will divide my talk to you in two parts. First, I'm going to talk about the National Commission, what we are, what we're doing, and what's new on the national scene--in a brief way, give you some idea of what's going on. Then I'll talk about how Army libraries might, or should, interface with it, and then talk a little bit about your problems as I see them. I'll be very frank with you. Those of you who know me, know I am always frank. I will frankly state my opinions and you can ignore them, or pay attention to them. That's up to you. But, I would be less than honest if I did not tell you what I think. I think that's why I was asked to be here. I'm not going to disappoint you. I'm not going to be controversial for the sake of controversy. Don't get me wrong. It's just that I don't want anyone to feel hurt when I make some of my statements, which might not please everyone.

As you know, we live in a world of constant change. In a world of change, we're never going to be absolutely happy or satisfied with what goes on. We have to learn to take life as it comes, roll with the punches, and not be supersensitive. I tell my staff, for example, if you have thin skin don't come work for me, because we cannot afford to really move ahead unless you can participate in a give and take situation, unless you believe in what you're doing. You will not move

---

<sup>1</sup>The reference to Ray and Gene refer to Raymond Y. Yamachika, Director, TRADOC Library Program, who served as Institute Coordinator, and Vernon E. Palmour, Private Consultant and Senior Vice President, King Research, Inc., who served as the primary consultant, Study of Army Libraries, which was completed in July 1976.



## APPENDIX B

ahead if you're going to be sensitive to every little nuance, criticism, or comment. You've got to take criticism as being constructive and meaningful and build on it. Those things you really don't appreciate, you ignore. Those things you think have a seed of constructive criticism, you listen to. That's the basis on which I'd like to start.

The National Commission on Libraries and Information Science came into being as an independent, permanent federal agency in 1970. It was preceded by the Advisory Commission on Libraries, which was established by executive order of President Johnson, in 1966. That two-year advisory commission tried to discern what the library information problems in the country were and to recommend possible solutions to Congress and the Administration. During those two years they held hearings and conducted some studies. The studies were published in a book called Libraries at Large, published by Bowker in 1969. That book contains the Commission's report, which isn't very long. One of its recommendations was that a permanent commission on libraries and information science be established. That report was given to the Administration and the Congress. Bills were immediately introduced in both Houses. After a year or so, the bill eventually worked its way to President Nixon's desk. His Administration was basically opposed to establishing the Commission, especially its independent status. They suggested it become part of the Office of Education. The reason the profession fought so hard for its independence became very obvious a year or two later. The Commission bill was finally enacted and signed into law July 20, 1970, and President Nixon completed his first Commission appointments a year later. There are 15 Commissioners. One, the Librarian of Congress, is ex-officio--held by virtue of his position; the other 14 are appointed by the President and confirmed by the Senate. Five commissioners must be either librarians or information specialists; one must be especially versed in technology; eight are people from all walks of life. Commissioners may be educators, professionals, library trustees, or people in business and government.

In the early 70's, the Administration decided to eliminate categorical programs, including all federal library programs which had been in operation, some since 1956--the Library Services and Construction Act, Elementary, Secondary Education Act Title II, the Higher Education Act Title II. The Office of Education's Office of Library and Learning Resources, which is under the Administration, could do nothing publicly except support their policy. Knowing this decision was professionally wrong and that they looked ridiculous, the Office staff could in no way oppose it. The independent National Commission, however, responsible to Congress as well as the President, could take a public stance on such a policy issue whether it agreed with the Administration's view or not. The Commission supported continuation



## APPENDIX B

and strengthening of these important library programs. It could never have done that if it were an executive agency; that's why its independent role is so important. The Commission speaks for the public and the profession to the Congress and the Administration. That's a unique role and that's why it's an important commission.

So the Commission came into being. What is it supposed to do? The law begins by establishing this brief statement of national policy: 'Congress hereby affirms that library and information services adequate to meet the needs of the people in the United States, are essential to achieve national goals, and to utilize most effectively the Nation's educational resources, and that the Federal Government will cooperate with State and local governments and public and private agencies in assuring optimum provision of such services.' Some key phrases in that statement include 'are essential to achieve national goals,' and that the 'federal government will cooperate with state and local governments and public and private agencies in assuring optimum provisions of such services.' It doesn't say minimum, it says optimum provision of services. It's a very strong statement. The law further states that the Commission's functions are to develop and recommend overall plans for, and advising the appropriate government agencies on, the policy set forth in Section 2. Some of these are to advise the President and Congress and conduct studies, surveys and analysis of the information needs of all types of libraries at all levels. The statement talks about rural needs, the economically, socially and culturally deprived, and the elderly. It covers the whole gamut of library information service constituencies. It talks about the Commission's responsibilities for appraising the adequacies and deficiencies of current library information resources and services, recommending changes, developing overall plans for meeting national goals, and authorizes the Commission to advise federal, state, local and private agencies. In other words, we are authorized, by law, to advise the Army in the area of library information services. We, of course, submit annual reports to the President and to Congress.

That's a pretty broad mandate. How do you go about doing all this? How do you start from scratch and develop a national plan, a national program? The Commission decided to start by finding out what the people wanted. What does the constituency want, both the users and managers of libraries? The one way of finding out is to go talk with them. We decided to have hearings--not in Washington, but all over the country. We had general hearings in every region of the country. In addition to those general hearings we conducted numerous hearings with specialized groups. We met, for example, with publishers, with the private sector, with school, state, university, public and federal librarians. We also met with different government

## APPENDIX B

agencies. During that entire process, which took two and one-half years, the Commission started writing what was to become the national program. An early draft was released in 1974. I was Director of the Illinois State Library at that time; I came on with the Commission a little bit later. I urged one of the commissioners to release an early draft immediately. My experience has been that if you want a large group to accept a document, it must be a consensus document. If you initially give them a relatively perfect document to look at and comment on, you will never get consensus. Give them a document they can really rip apart. It has to have some meat, some basic thrust in it, and it must provide the opportunity for solid input from the field. That's what the Commission did. They issued a basically sound document, but left lots of room for change and they really wanted reaction. Reaction we got. Each sector accused us of favoring the other sector, which is just what we anticipated. After six or eight months of commentary, we produced a second draft, which was a very long document this time, about 100 pages typed, and it was a very comprehensive document. This second draft received much more favorable acceptance, although it still had some holes and some problems. We, again, received many comments. We indicated that the document had one chapter missing. It needed a chapter, probably not a long one, on concerns in the private sector, which we had somehow not addressed. I joined the Commission about this time. We finished the job of getting comments and revising the second draft. I indicated to the Commission that it was time to stop drafting and get on with the job of implementation. We were going to issue one more draft, then the final document. We issued the third draft sometime in the middle of March, 1975. We promptly sent it to about 500 people for immediate comments, giving them a three-week deadline to respond. This draft had the controversial new chapter, which discussed the concerns of the private sector as the private sector saw them. That was like waving a red flag to the librarians. A day after the report reached the field, my phone was ringing off the hook. We had "sold out" to the private sector. Well, in three weeks we rewrote that one chapter something like three times.

In May, 1975, we presented the final report to the Commission, which adopted it that same month at our Philadelphia meeting. In June, 1975, we had the report published and distributed at the American Library Association, the first major conference following adoption of the report. It's called Towards a National Program for Libraries and Information Services: Goals for Action. We immediately pressed for the Association's support of the report--its basic principles and concepts. They obliged us. Less than four months later, we had the endorsement of most major professional associations in the country--the Association of Research Libraries, Special Libraries Association, American Association of Law Librarians, the

American Society of Information Science, and a little later the Medical Library Association and the National Association of Abstracting and Indexing. In other words, the profession was willing to take a chance on the document's main thrust, even though they had some reservations about details. That's an important lesson--I want you to keep that in mind when I talk later about the Army report.

What does that document say? It begins by stating the long-range goal. It's a very broad goal, and like any good goal, it's one we probably never will meet, one we'll always work toward. Our long-range goal is to 'eventually provide every individual in the United States with equal opportunity of access to that resource which will satisfy the individual's educational, working, cultural, or leisure time needs and interests, regardless of the individual's location, social or physical condition, or level of intellectual activity.' That's an important goal, one more controversial than I had thought it might be. In our nation, we are used to providing information to people in education, in universities, or in laboratories--people who are what I call the educational or intellectual elite, who use information every day. We forget that many of the 216 million people in this country don't fit into that category; yet, these people have as much right to information as those who make it their daily lives. That's what the statement says. Why is it controversial? We're saying that the financial resources necessary to provide information must be shared by the 'have' libraries, including Army technical libraries, for example, or large research libraries throughout the country. Obviously, they'd rather utilize their resources for their primary clientele, and let the information sift down to the public. We maintain that's not the way it should operate. How will it operate? Both ways. It has to both sift down and work its way up. We must be equally concerned about information for the inner city, for the rural residents and the farmer, for people in sparsely-populated areas, in academia, in the professions, or people involved with science and technology information. No one has special virtues, no one deserves it more than anybody else. That's important to keep in mind.

How are you going to achieve that goal? You have to plan, and this is why there's a planning document. You must have the goals. You must then have objectives telling you how to get there. You must have continuing evaluation to see if you're moving in the right direction or if you must change as you go. The objectives? We developed eight objectives.

The first is an obvious one, saying we must strengthen resources at the local level; each local library must be able to carry its own weight at its own level. Having five weak libraries working together does not give you strength. All you have is five weak libraries.



## APPENDIX B

You must make sure you work with libraries that are better than you are. To do so, you must be carrying your own weight first; otherwise, the stronger library will feel you are taking advantage of the organizational opportunity to cooperate. Therefore, we must start by making sure that at the local level, we strengthen the local library. There must be some kind of a minimum standard.

We then say that we have the problem of special constituencies and we must consider their services. Our special constituencies include the blind, physically handicapped, institutionalized, the economically and culturally deprived, the non-user, the business community without adequate library services--all those special groups requiring special kinds of services.

Next, we must build on existing strengths. Let's continue to strengthen resources at the state level, the state library agencies, and state-level systems.

We then stress the importance of continuing education. We have all gone to library school at some time in our career. We have one year, or a year and a quarter of education, which includes one, perhaps two, courses in automation, one in book selection, technical services, and so forth. What makes us such great experts? Certainly not our extensive education. All that did was give us a background against which to learn. If we cannot continually educate ourselves, we cannot be worthy of the name professional librarian. This Institute is a beautiful example of an important continuing education experience. I was so pleased to hear that you hope to do this each year. All I can say is that it's about time. You must continually educate yourself, you must continually talk to each other. You must exchange your problems as well as your joys; you must exchange your weaknesses and strengths if you're truly going to grow and be a real library community in the Army. I'm really pleased to be part of this Institute. This supports one of the Commission's objectives. Later in the week you'll hear about an organization called CLENE--Continuing Library Education Network Exchange, which resulted from one of your studies.

Let me talk now about making sure we devise an effective role for the private sector. The private sector includes those people who create the material we use; the publishers, who make it available; and the information processors, who package it. It also includes people who put together the SDC, Lockheed, or New York Times data bases. You buy information services from University Microfilms or Xerox. All of these are data processors.



Another objective is the coordination of the services and resources of federal libraries. The tremendous amount of material that is available in federal libraries, is usually not effectively shared among federal libraries. That is really bad. We need to make sure they not only share their resources and services amongst themselves but also share it with the public, who really pay for it. In short, your libraries eventually must be part of a network whereby your materials can be used, when needed and necessary, by the general public as well as your primary constituency. You and I, as taxpayers, pay for all of this. The tremendous collections at the Library of Congress, the National Library of Medicine, NASA, or the CIA are examples of federal libraries whose collections must be available to the public.

The eighth objective says we must devise and set up a national network. What's a national network? We're talking about a full-service network made up of all types of libraries in one coordinative whole. This national network is going to be coordinated at the federal level. At the moment, we're not sure where the responsibility will rest. Only three agencies in the Federal Government have responsibility for library services in a broad sense: ourselves, the Library of Congress, and the Office of Library and Learning Resources, in OE--but none of the three has a specific legal mandate to do this. The Commission is undertaking a study of governance to determine where the locus of responsibility for this national network should rest. It is important to note that the agency selected or established to become the locus of responsibility will be not a line agency, but a managing and operating agency. It will have no direct authority over any library. Instead, it will have broad overall responsibility. Its policy responsibility will be for network policies. The agency would answer to a policy board. Both agency and policy board would answer to Congress and the Administration, which completes the chain of command.

The agency will not be authorized to tell an individual library, or a state, how to spend its money in terms of staffing, procurement, or budget allocations. Those three elements are the basic elements of 'local' autonomy. When people say they don't want to participate in library systems or library cooperation because they don't want to endanger their autonomy, immediately ask them to define autonomy, and what it is they are afraid of losing. We use words too loosely. We must define what we're talking about. Local autonomy is made up of those three basic elements I just mentioned and nothing more. When I join a network, however, I assume the responsibility of serving a constituency other than my own. Obviously, I have not abandoned the basic responsibility to my primary clientele. I have assumed another responsibility; within that framework, I participate in this network

## APPENDIX B

or cooperative. If it's resource sharing, protocols must be established outlining conditions under which materials are loaned--direct borrowings, library loan. Or by sharing staff resources, such as reference staff help, or whatever it happens to be. Whenever you join a network, you decide what it is you're going to do. You are not giving up local autonomy. That's a myth. That's a fear. That's a cop-out. I just don't buy the argument of not joining a cooperative or a network in order to preserve autonomy. Preserve it and we'll pass you by. One of these days, whether you like it or not, you will have to join. At that stage, you will join a network that already has set all the major policies; you will have had no input whatsoever; you will be swept along with the waves.

In Illinois during a ten-year period--1964-74, we went from no network activity to a full multi-type library network including academic, public, school, special libraries including the military libraries in the state. It's an all voluntary system. There are 560 public libraries. All but seven are in. We were not overly concerned if those seven ever joined. Why? Because if they joined, because they were forced to join, they would be reluctant cooperators, and would not be very happy or help the network. When you believe in the network, join it. When you don't, forget it. We expounded the same philosophy to academic libraries, and all but a very few have joined. We have many special libraries in Illinois and about half are members. The numerous school libraries are the latest addition. The fact that superintendents have to agree to and approve the memorandum of cooperation slows things. School libraries have the most to gain and the least to give, simply by the nature of their collections. They feel they will hurt more than help the network by joining it and want to remain outside until they can make a positive contribution. The act of joining is the biggest thing you can give. Worry later on about the specifics of helping the network. The important thing is to show the initial act of faith, by participating, joining, cooperating, being part of the group, by not standing off, regardless of the excuse, to wait until it seems safe to join. That's important.

How will the Commission try to develop a national network? One prerequisite is the development of a national system which includes all the major research libraries in this country. They have a lot to give and very little to get back, don't they? They wonder what's in it for them. I always point out to people that cooperation is the act of giving, not receiving. If you cooperate to receive, then you may as well forget it. If you do cooperate, in the long run you will receive; but, you must first start by giving. It's the same as marriage, isn't it? You get married to give, not to receive. If you both give, then you both receive--and it works beautifully. If you don't--marriage fails.

## APPENDIX B

It's the same thing with cooperation. I recognized the minute I got the large research libraries in Illinois to join the network, that I'd better make sure there were going to be payoffs, which they could see, at least in the long run. Otherwise, they might be disillusioned. When you admit large institutions, who lend more than they borrow, you must check the imbalance. If I lend 10,000 items and I borrow 2,000, the imbalance is 8,000. For Illinois, we reimbursed net lenders for the cost of lending the 8,000. That reimbursement comes from a different source than their regular income. In a state, it comes from the state funds. At the federal level, it must come from federal sources. This is what makes the resource sharing possible. The reason you can justify state money, for example, to support the University of Illinois' resource sharing with libraries throughout the state is that the local level cannot pay for that burden, therefore, the state covers it. In short, each level of government pays for the cost it's best able to underwrite. Local governments for local responsibility, state governments for state responsibility, and the Federal Government for federal responsibility.

Let me translate some of this as it affects the Army. When you look at Army libraries, you really have a microcosm of libraries in the country. The Army has public, school, special and academic libraries. The post library is a public library, isn't it? You have school libraries for the children of service personnel. I know you had them overseas; I'm sure you have some here. You certainly have academic libraries--the Military Academy is one of many. You have special libraries of two types, those that are highly technical and those which are special, like medical or legal. You have the same mix that we do outside. If it's possible for us to get all those kinds of libraries in one network outside, why isn't it possible to do it with you? What is so impossible about the basic recommendation in the Army study, which says the Army is fraught with duplication and many weaknesses it can only overcome with leadership, concerted effort and an effective, central coordinating agency or office. It does not--and I read that report carefully--say this office has any line authority over anybody. It doesn't say that it will hurt the autonomy of library A, or B, or C. It doesn't say any such thing. It simply says you have to have an office to provide the leadership for coordination and cooperation. It will try to determine which services are best done centrally. It can make no decisions independently. It will have an advisory body to determine whether it's going too slow or too fast, whether what it's doing is right or wrong. It will have to be sensitive to the needs of the constituency, which is all of you. Otherwise, it won't work.



## APPENDIX B

If that's the case, what are you afraid of? Why two 'nonconcurrences'? I heard the explanations for one of them today, and believe me, I don't think a single one was valid. It was based on fear, based on myth, based on refusal to take a chance and participate. And that's nonsense. My challenge to you librarians as a whole is don't let that report die. Someone remarked that we should work on the things at the ends and work our way up to it. They want to accept crumbs, and that's not good enough. You have a responsibility to provide leadership to your libraries, your commanders, and your constituencies. In the final analysis, you exist to serve your constituency. You've got that responsibility; you should insist and demand that a central coordinating office somehow be set up. Initially, exclude the one or two agencies that don't want to participate. Start with those of you who are willing to participate. Work together and start producing positive results. In short order, you will find that the two agencies who worried about participating will later come test the water and perhaps join you. There's no reason why all of you should have to give up your opportunity just for a few. But, nothing will happen unless you individually first make a commitment. That is, you must believe in the goals of coordination-cooperation.

You're now going to have to participate in this new process called zero-base budgeting. Zero-based budgeting, if done honestly in the Army, I suspect, will kill many small, inefficient libraries. If you do honest-to-goodness zero-base budgeting, it will be awfully hard to justify them. Why not start by considering how you might consolidate some of them. Pick a post that has 17 libraries in it. Say six or seven are weak and you consolidate them. Instead of six or seven weak libraries, you have one weak library--unless the consolidation includes clear goals to strengthen that library to make it a meaningful one. Then you have one meaningful library. Consolidate the budget, and you will not save much money, but you might do a better job--less duplication of staff, of collections, of services. Then you can build more services, more collections and better staff. That's what true zero-base budgeting means.

So you start looking at that. That means you will have to do some long range planning, objective setting, and evaluation. Evaluation is the key; you must constantly check how you are doing, and evaluate change as you go. The best plans you make in the next three weeks might not be valid a year and a half from now, because one of the things that affects us all is new technology. The advent of automation has been a trauma to some libraries. However, automation has not moved nearly as quickly as everybody told us it would. When I first started in the profession, automation was just starting. Back in the early 60's it sounded like automation was going to solve all the problems next year. Here we are in the middle of the mid-70's

## APPENDIX B

and automation is far from solving our problems. We still don't have a really good automated system for libraries. We have pieces. We have a circulation piece that isn't too bad. We have OCLC, the Ohio College Library Center for cataloging, which is pretty good despite some problems. We have MARC, the Library of Congress Machine Readable Cataloging Information, which is great. We still have only pieces. Our goal is to put it together into a meaningful network, where we get the best use of automation. There's a new device we won't be able to use in the library programs for a few years yet, called video disc. It's about the size of a 33 1/3 record and played by laser, which means it can't wear out. You can identify 54,000 frames on it. 54,000. If periodical publishing was limited to abstract journals only, with a reference to the full article on a video disc, then access could be decentralized. It is estimated that a million pages of good articles a year in science and technology are published. That means 20 video discs would give you complete access to one million pages of science and technology articles. Quite a breakthrough, isn't it? Fiber optics has all sorts of implications for us. There are new developments in microfilm miniaturization. You discussed union lists. The technology to produce one efficiently exists right now. Let's assume you decide to make one project priority, to do a union list of holdings at Fort Belvoir. Can you? Yes. You can use it almost immediately. There is a commercial firm that for approximately five or six cents a record, will take all your catalogs, put them together, and give them back to you in a union list.

What we have to do is understand technology, know when it suits our needs, never mind somebody else's needs, our need. What technology might do for my library might not be appropriate for yours. That means you need some expertise. One of the Army coordinating office's services could well be to offer consulting advice on some of the problems in technology. Let's say Fort Belvoir goes to this office and discusses a commercial firm's particular product. Has it been evaluated? Should we do it? What are the weaknesses, what are the strengths of it? This office could offer not only coordination of services, but also technical advice. It has all kinds of possibilities. Obviously, when you set something like this up, you can't do everything at once. You must determine in advance what you want to accomplish in the immediate, in the short run and in the long run. In other words, adopt some specific objectives you hope to achieve in the first, second, or third year. You can evaluate the results and see if you are achieving positive results. The mechanism is there if you want to use it.

## APPENDIX B

Let me close with a few comments about attitudes. In the 28 years I've been a librarian I found that the thing that works strongest for me, in terms of my own success and in terms of what people think of me, has been my personal commitment to libraries and library science. I work to serve the public of the United States in terms of library information services. We live in a democratic society which depends heavily on an informed electorate. We live in a time when we are being inundated with information. We can't cope. What do you do when one energy expert tells you we're going to run out of oil in three years and another tells you it's going to be 300 years? An environmental expert tells you that atomic energy is going to bring us down, another tells you it's the only salvation for the energy crisis. We're subject to this tremendous flood of information. How are you and I going to cope? Partly, we cope by getting a handle on the organization and dispensing of information--not by controlling it, by dispensing it. As librarians, we try to make sure our libraries have available, in an effective and efficient way, information to serve your constituency. For example, if I'm in an urban branch library, my constituency is really not interested in complicated energy problems. They're interested in social problems. My collection should reflect that. They're interested in light fiction, escape literature. My collection should reflect that. One of my constituents feels this highly popular collection doesn't serve his or her needs. By simply determining what your patron really needs, your library, being part of a network, can obtain the material, usually by delivery truck, the very next day. You balance that small library collection by using it as the window on the total network. Every local library aims at its own constituency, studies its community, devises its collection to serve their immediate needs, knowing it has a back-up library it can rely on to fulfill unanticipated specialized needs. That's networking, essentially. The commitment we should have to serving people is primarily to provide information they need for daily living, information they need to be better citizens of this country, information they need, for example, to better understand the role of the military.

We sure could use that, couldn't we? There's been an awful lot of negativism about the military during the last five or ten years. We should all be doing something about trying to regain positive attitudes. We have lived in an era of negativism since Mr. Nixon's presidency. It's about time we changed it and turned it around. I think our President is trying to turn it around so we have more faith in government and a more positive outlook. You and I can contribute to that by doing our job, for we happen to be working in one of the most exciting institutions in this country. That's libraries and information services. To do your job, be committed to what you're doing. Remember, no matter how small your role, it's an important



APPENDIX B

part of the total network. I am very much looking forward to having the Army participate in a national network as a full partner. Thank you.